News सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-07
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार, 11 अप्रैल 2024

आज का विचार

दया वह भाषा है जिसे बहरे सुन सकते हैं और अंधे देख सकते हैं. -मार्क ट्वेन

या देवी सर्वभूतेषु माँ चंद्रघंटा रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।। रहस्यम् श्रृणु वक्ष्यामि शैवेशी कमलानने। श्री चन्द्रघण्टास्य कवचम् सर्वसिद्धिदायकम्॥

राजपूतों की नाराजगी दूर करने को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सहारनपुर पहुंचकर राघव लखनपाल शर्मा को जिताने की भावुक अपील की

राजनाथ सिंह ने अपने 40 मिनट के संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की आर्थिक, घरेलू एवं विदेशी मामलों के मोर्चे पर उपलब्धियों का बखान किया

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश की गन्ना पट्टी में राजपूतों की टिकटों में अनदेखी से पैदा नाराजगी को भाजपा आलाकमान ने गंभीरता से लिया है। सहारनपुर से भाजपा टिकट के दावेदार पूर्व गन्ना मंत्री सुरेश राणा से एक दिन पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के चुनावी दौरे पर मंच पर सुरेश राणा को अपने पास बुलाया और उनके साथ आत्मीयता से बातचीत की। इसका भाजपा की ओर से वीडियो वायरल किया गया। उसी परिप्रेक्ष में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आज बेहट क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार राघव लखनपाल शर्मा के पक्ष में आयोजित चुनावी सभा में उन्हें जिताने की भावुक अपील की। इसी के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहारनपुर मंडल की मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट पर भी चुनावी सभा को संबोधित किया जिसमें योगी आदित्यनाथ ने राजपूतों के ऐतिहासिक कारनामों को महाराणा प्रताप की वीरता को खासतौर से

अपने भाषण का विषय बनाया और राजपूतों पर तरह-तरह से डोरे डालने का काम किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कैराना सीट पर भी जहां बसपा के ठाकुर श्रीपाल सिंह राणा भाजपा उम्मीदवार प्रदीप चौधरी को कड़ी चुनौती दे रहे हैं और इस सीट पर राजपूतों के एक बड़े वर्ग ने कांग्रेस समर्थित सपा उम्मीदवार इकरा हसन को समर्थन दे दिया हैं। वहां भी योगी आदित्यनाथ दो दिन के भीतर चुनावी सभा को संबोधित करने आएंगे। यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा कि भाजपा के शीर्ष राजपूत नेतृत्व की कोशिश कितनी कामयाब होती है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सहारनपुर के भाजपा उम्मीदवार राघव लखनपाल शर्मा के प्रति अपने आत्मीय संबंधों का बार-बार जिक्र कर लोगों को प्रभावित करने का काम किया। भाजपा हाईकमान को जल्द ही यह महसूस हो गया है पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा का मजबूत वोट बैंक मानी जाने वाली राजपूतों की नाराजगी नतीजों में भारी उलटफेर कर सकती है। राजनाथ सिंह बुधवार दोपहर करीब पौने एक बजे हेलीकाप्टर से कस्बा बेहट के पानसर में स्थित किसान विद्या मंदिर इंटर कालेज के मैदान पर पहुंचे जहां भाजपाइयों ने उनका स्वागत किया। उम्मीदवार राघव लखनपाल शर्मा ने चरण स्पर्श कर राजनाथ सिंह का आशीर्वाद प्राप्त किया। राजनाथ सिंह ने अपने 40 मिनट के संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की आर्थिक, घरेलू एवं विदेशी मामलों के मोर्चे पर उपलब्धियों का बखान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बना दिया है। राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शान में भी जमकर कशिदे पढ़े। बोले कि उत्तर प्रदेश में रामराज्य स्थापित हो गया है। उन्होंने कहा कि वह खुद किसान परिवार से हैं। उन्होंने चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने को किसानों के प्रति सम्मान प्रकट करना बताया और कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश का किसान बहुत ही मेहनती है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा सरकारों की उपलब्धियों को एक-एक कर गिनाया वहीं सपा-कांग्रेस गठबंधन पर तीखे हमले किए। राजनाथ सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी हर घंटे अपने उम्मीदवारों को बदलती रहती है। कांग्रेस को चुनाव लड़ने लायक उम्मीदवार ही नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों के बाद लोग पूछेंगे कि सपा और कांग्रेस कौन है यानि दोनों का चुनाव में खाता भी नहीं खुल पाएगा और उनका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। राजनाथ सिंह ने राघव लखनपाल शर्मा को लेकर कई बातें कहीं। उन्होंने कहा कि सहारनपुर ने 2014 में उन्हें जिता दिया था तो 2019 में उन्हें संसद में चुनकर नहीं भेजा। जाहिर है कुछ कमियां रही होंगी। उन्हें लगता है कि जो भूलचूक राघव लखनपाल शर्मा से हुई है उसे उन्होंने अपना व्यवहार बदलकर ठीक कर लिया हैं। अब आप लोग उनके हाथ में कमल देकर अवश्य ही संसद में भेजें।

राजनाथ सिंह ने याद दिलाया कि उनके मुख्यमंत्री बनते ही राघव लखनपाल शर्मा के विधायक पिता निर्भयपाल शर्मा की निर्मम हत्या हो गई थी। वह तत्काल जहाज से सहारनपुर पहुंचे तब राघव लखनपाल शर्मा की उम्र बहुत कम थी। बतौर मुख्यमंत्री उन्होंने इस परिवार को भरपूर सांत्वना दी। आगे चलकर राघव लखनपाल अपने पिता की तरह विधायक बने, सांसद बने। उनका इस परिवार से और सहारनपुर की जनता से बेहद ही लगाव है। उनकी प्रबल इच्छा है कि लोग अपनी नाराजगी दूर करके अवश्य उनको जिताने का काम करें।

वैश्य बिरादरी के बड़े नेता सुनील गुप्ता, जिले के तमाम विधायक, राजपूत बिरादरी से अभय राणा, ठाकुर राजबीर सिंह आदि उपस्थित थे। सभा की अध्यक्षता सम्मानित राजपूत नेता ठाकुर विश्वंभर सिंह पुंडीर पूर्व डीजीसी ने की।

दिल्ली सरकार के मंत्री राजकुमार आनंद ने आम आदमी पार्टी से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री राजकुमार आनंद ने आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया। राजकुमार आनंद के यहां ईडी न मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छापेमारी की थी। राजकुमार दिल्ली सरकार में समाज कल्याण मंत्री थे। इस्तीफे पर राजकुमार आनंद ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से कनेक्शन इसलिए हुआ, क्योंकि उन्होंने कहा था कि राजनीति बदलेगी तो देश बदलेगा...आज राजनीति नहीं बदली है, लेकिन राजनेता बदल गए हैं। मैंने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री कार्यालय को भेज दिया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का जन्म भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए हुआ था, लेकिन आज पार्टी भ्रष्टाचार के दलदल में फंस गई है। मेरे लिए मंत्री पद पर काम करना मुश्किल हो गया है। मैंने मंत्री पद से और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि मैं इस भ्रष्टाचार से अपना नाम नहीं जोड़ सकता। राजकुमार आनंद ने कहा कि मैं समाज का बदला चुकाने के लिए मंत्री बना हूं। मैं ऐसी पार्टी का हिस्सा नहीं बनना चाहता जो पीछे हटती हो। जब दलित प्रतिनिधित्व की बात हो रही है तो मैं किसी पार्टी में शामिल नहीं हो रहा हूं।

बीजेपी की 10वीं लिस्ट में 9 नाम, किरण खेर और रीता बहुगुणा का टिकट कटा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने बुधवार को 10वीं लिस्ट जारी की। इसमें उत्तरप्रदेश से 7, पश्चिम बंगाल से एक और चंडीगढ़ लोकसभा सीट से प्रत्याशी का नाम हैं। चंडीगढ़ की मौजूदा सांसद किरण खेर का टिकट काटकर पार्टी ने संजय टंडन को प्रत्याशी बनाया है। इसके अलावा उत्तरप्रदेश की बलिया सीट से पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के बेटे नीरज शेखर को मौका दिया गया है। 2019 में यहां से वीरेंद्र सिंह को उम्मीदवार बनाया गया था। इसके अलावा इलाहाबाद से रीता बहुगुणा जोशी का भी टिकट काट दिया गया है।यूपी के छह और नामों में कोशांबी से विनोद सोनकर, मैनपुरी से जयवीर सिंह ठाकुर, फूलपुर से प्रवीण पटेल, इलाहाबाद से नीरज त्रिपाठी, मछलीशहर से बीपी सरोज और गाजीपुर से पारसनाथ राय को टिकट दिया है। भाजपा ने अब तक 41× प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैं। इसके अलावा पश्चिम बंगाल की आसनसोल सीट से पूर्व केंद्रीय मंत्री एसएस अहलुवालिया को टिकट दिया गया है। आसनसोल से पहले भोजपुरी सिंगर पवन सिंह को टिकट दिया गया था, लेकिन उन्होंने इस सीट से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया।

सौंदर्य और कार उत्पादन से जुड़ीं कंपनियां जलवायु परिवर्तन रोकने में लापरवाह

नई दिल्ली। फैशन और शीर्ष सौंदर्य ब्रांड वाली कंपनियां जलवायु परिवर्तन को रोकने में सहयोग नहीं कर रही हैं। गैर-लाभकारी शोध समूह न्यूक्लाइमेट इंस्टिट्यूट और कार्बन मार्किट वॉच ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि ये कंपनियां जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए आवश्यक गति से अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम नहीं कर रही हैं। कई कंपनियां तो निरंतरता को बढ़ावा देने के अपने वादों को बढ़ा-चढ़ा कर बता रही हैं। एचएंडएम, नेस्ले और टोयोटा जैसी जानी-मानी कंपनियां इस सूची में शामिल हैं। कुल 51 कंपनियां 2022 में 16 फीसदी वैश्विक उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2015 के पेरिस समझौते के तहत वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोक कर रखने में इनकी कोशिशें गंभीर रूप से अपर्याप्त हैं। हालांकि, 2030 के जलवायु संकल्पों को लेकर कंपनियों की सामूहिक महत्वाकांक्षा में पिछले दो सालों में धीरे-धीरे सुधार हुआ है। अधिकांश कंपनियां अभी भी उत्सर्जन में उतनी कमी नहीं कर पा रही हैं जितनी जरूरत है।

एमपी की सियायसत में 'महुआ' की महक

राहुल गांधी के महुआ बीनने और खाने पर सीएम मोहन यादव का तंज- उनकी सोच पता चलती है...

भोपाल। मध्यप्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने शहडोल से उमरिया जाने के दौरान आदिवासी महिलाओं को देखकर अपना काफिला रुकवाया था और यहां इन महिलाओं के साथ महुआ बिनने के साथ ही इसे चखकर भी देखा था। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा महुआ चखने को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उ'जैन में भाजपा कार्यालय में कार्यक्रम के दौरान उन पर तंज कसते हुए कहा है कि राहुल गांधी ने महुआ खाकर अपनी मानसिकता बता दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी पर महुआ चखने पर तंज कसते हुए यह भी कहा कि वे जबरदस्ती के नेता हैं, उनका पिंड राजनीति लायक नहीं है। उन्हें यदि महुआ खाना है और इसे बिनना है तो उनका स्वागत है।

डॉ मोहन यादव ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी के महुआ खाने और बीनने से उनकी सोच पता चलती है। यदि उन्हें यही करना है तो फिर हम क्या कर सकते हैं ?

सीएम मोहन यादव बुधवार को उ'जैन स्थित पार्टी कार्यालय पहुंचे। यहां सीएम यादव ने कई कांग्रेसी नेताओं को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। इस दौरान सीएम यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मैं आज काफी खुश हूं क्योंकि हमने कांग्रेस के कई मित्रों को बीजेपी की सदस्यता दिलाई है। सीएम यादव ने कहा कि लोग भाजपा और पीएम नरेंद्र मोदी पर भरोसा करते हैं और हम प्रचंड बहुमत से मध्यप्रदेश में सभी 29 लोकसभा सीटें जीतेंगे। इस दौरान सीएम यादव ने अबकी बार 400 पार का नारा भी दिया। बता दें कि उ'जैन के लोकशक्तिभवन में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में बुधवार को कई कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हुए।

आदिवासी महिलाओं से राहुल ने की थी ये बातें- राहुल ने शहडोल से उमरिया जाते समय रास्ते में आदिवासी महिलाओं को महुआ बीनते देख काफिला रुकवाया और उनसे बातचीत की। राहुल ने भी महुआ बीना और चखकर देखा। चखकर उन्होंने कहा- नॉट बैड। राहुल गांधी ने नमस्कार कर महिलाओं से पूछा था कि यह फसल आप जमीन से उठाते हो? महिलाओं ने जवाब दिया, सुबह × बजे से बैठे हैं, तब जाकर इतना सा मिला है। इस पर राहुल ने पूछा- एक दिन में कितना बीन लेते हैं? महिला ने बताया- दो चुकनी (टोकरी)। दूसरी महिला ने बताया कि हम इसको सुखाकर मार्केट में बेचते हैं। राहुल ने पूछा कि कितना पैसा बनता है तो महिला ने कहा, दो चुकनी बेचने पर दो-तीन सौ रुपए बन जाते हैं। कुछ खाने के लिए बचा लेते हैं। महिलाओं ने कहा कि इसमें सरकार से कुछ मदद नहीं मिलती।

उमंग सिंघार ने दिया जवाब- सीएम मोहन यादव के इस बयान पर कांग्रेस नेताओं ने करारा जवाब दिया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री पर पलटवार करते हुए सवाल किया और कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव जी महुआ बीनना आदिवासियों की रोजी-रोटी है, ये एक संवेदनशील मुद्दा है, जिस पर आप ने टिप्पणी की।

पतंजलि विज्ञापन केस- रामदेव-बालकृष्ण का माफीनामा सुप्रीम कोर्ट ने खारिज करते हुए कहा-

हम अंधे नहीं हैं... कार्रवाई के लिए तैयार रहें

नई दिल्ली। योग गुरु बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के एमडी आचार्य बालकृष्ण ने अपने उत्पादों को लेकर बड़े-बड़े दावे करने वाली कंपनी द्वारा जारी विज्ञापनों पर एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट से माफी मांगी। इस पर शीर्ष अदालत ने जमकर फटकार लगाई। कहा कि हम अंधे नहीं हैं। हम माफीनामा स्वीकार करने से इनकार करते हैं। वहीं, यह भी कहा कि वह केंद्र के जवाब से संतुष्ट नहीं है। अब अगली सुनवाई 16 अप्रैल को होगी। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति ए अमानुल्लाह की पीठ ने कहा, माफी केवल कागज पर है। हम इसे स्वीकार करने से इनकार करते हैं, हम इसे जानबूझकर आदेश का उल्लंघन मानते हैं। इसका मतलब यह है कि पतंजलि के विवादित विज्ञापन केस में बाबा रामदेव और बालकृष्ण के दूसरे माफीनामे को भी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानतुल्लाह की बेंच ने पतंजलि के वकील विपिन सांघी और मुकुल रोहतगी से कहा कि आपने जानबूझकर कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया है, कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

सुनवाई की शुरूआत में पीठ ने कहा, जब तक मामला अदालत में नहीं आया, अवमाननाकर्ताओं ने हमें हलफनामे भेजना उचित नहीं समझा। उन्होंने इसे पहले मीडिया को भेजा, मंगलवार शाम साढ़े सात बजे तक यह हमारे लिए अपलोड नहीं किया गया था। वे (रामदेव और बालकृष्ण) स्पष्ट रूप से प्रचार में विश्वास करते हैं। पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने सुप्रीम कोर्ट की पीठ के समक्ष योग गुरु बाबा रामदेव का हलफनामा पढ़ा, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह विज्ञापन के मुद्दे पर बिना शर्त माफी मांगते हैं।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि माफी सिर्फ कागजों के लिए हैं। हम इसे जानबूझकर आदेश की अवहेलना मानते हैं। समाज को यह संदेश जाना चाहिए कि न्यायालय के आदेश का उल्लंघन न हो। सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि और आचार्य बालकृष्ण को अदालत के नोटिस का जवाब नहीं देने पर कहा था कि यह पूर्ण अवहेलना है। सिर्फ सुप्रीम कोर्ट ही नहीं, देशभर की अदालतों से पारित हर आदेश का सम्मान होना चाहिए। आपको इस मामले में हलफनामा दायर करना चाहिए था।

उत्तराखंड सरकार को भी फटकार- पंतजलि आयुर्वेद के मामले में उत्तराखंड सरकार पर भी सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि उत्तराखंड की सरकार ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। पीठ ने यह भी कहा कि उत्तराखंड सरकार इसे ऐसे नहीं जाने दे सकती है। सभी शिकायतों को सरकार को भेज दिया गया। लाइसेंसिंग इंस्पेक्टर चुप रहा, अधिकारी की कोई रिपोर्ट नहीं आई। संबंधित अधिकारियों को अभी निलंबित किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, वे कहते हैं कि विज्ञापन का उद्देश्य लोगों को आयुर्वेदिक दवाओं से जोड़े रखना था जैसे कि वे आयुर्वेदिक दवाओं के साथ आने वाले दुनिया के पहले लोग हैं। पीठ ने कहा कि ऐसे लोगों के लिए सुप्रीम कोर्ट मजाक बनकर रह गया है। अदालत ने उत्तराखंड सरकार से उन अनगिनत निर्दोष लोगों के बारे में सवाल किया जिन्होंने यह सोचकर दवा ली कि उनकी बीमारी दूर हो जाएगी? कोर्ट ने कहा कि यह उन सभी एफएमसीजी कंपनियों से संबंधित है जो उपभोक्ताओं को लुभाती हैं और फिर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं।

फाइल आगे बढ़ाने के अलावा कुछ नहीं किया सुप्रीम कोर्ट ने आदेश लिखवाते हुए कहा कि उत्तराखंड रा'य लाइसेंसिंग प्राधिकरण ने एक विस्तृत हलफनामा दायर किया है जिसमें आपत्तिजनक विज्ञापनों के संबंध में की गई कार्रवाई को स्पष्ट करने की कोशिश की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम हैरान हैं कि फाइल आगे बढ़ाने के अलावा कुछ नहीं किया गया है। स्टेट लाइसेंसिंग अथॉरिटी गहरी नींद में सो रही कोर्ट का कहना है कि 4-5 साल में स्टेट लाइसेंसिंग अथॉरिटी गहरी नींद में सो रही। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि 2018 से अब तक जिला आयुर्वेदिक और यूनानी अधिकारियों के रूप में पदों पर रहने वाले सभी अधिकारी उनके द्वारा उठाए गए कार्यों पर जवाब दाखिल करें।

कलकत्ता हाईकोर्ट का आदेश:

संदेशखाली में उत्पीड़न और जमीन कब्जाने की जांच करेगी सीबीआई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली की घटना को लेकर हंगामा जारी है। अब कलकत्ता हाईकोर्ट ने संदेशखाली में महिलाओं पर हुए अत्याचार और जमीन कब्जाने के आरोपों की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया है। संदेशखाली में ईडी के अधिकारियों पर हुए हमले की जांच भी सीबीआई द्वारा ही की जा रही है। संदेशखाली मामले में भी टीएमसी नेता शाहजहां शेख और उसके साथियों पर आरोप हैं। शाहजहां शेख ईडी टीम पर हमले का भी आरोपी है। बुधवार को अपने आदेश में कलकत्ता हाईकोर्ट ने कोर्ट की निगरानी में संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ हुए अपराध, जमीन कब्जाने जैसे आरोपों की सीबीआई जांच का आदेश दिया। बीते गुरुवार को उ'च न्यायालय ने संदेशखाली की घटनाओं को लेकर रा'य सरकार को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने संदेशखाली में हिंसा के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि यह मामला बेहद शर्मनाक है। यह रा'य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हर नागरिक को सुरक्षा प्रदान करे। कोर्ट ने कहा था कि संदेशखाली मामले में जिला प्रशासन और पश्चिम बंगाल सरकार दोनों को नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा कि यहां 100 फीसदी जिम्मेदारी सत्तारूढ़ सरकार की है। अगर किसी नागरिक की सुरक्षा खतरे में है तो सरकार जिम्मेदार है। अगर पीड़ित पक्ष की वकील जो भी कह रही हैं, उसमें एक फीसदी की भी स'चाई है तो यह बेहद शर्मनाक है।

इंदौर, भोपाल ,जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, होशंगाबाद, सतना, सागर, रीवा, कटनी, छिंदवाड़ा, छतरपुर, गुना, सीधी, उमरिया, छग, उप्र, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पंजाब एव नई दिल्ली से प्रसारित

सिंगल कॉलम

बिजासन मंदिर के श्रद्धालुओं के मिले बेहरत सुविधा, निगमायुक्त ने दिए निर्देश

इंदौर। नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने रविवार को बिजासन माता मंदिर, परिसर सहित टेकरी के आसपास निरीक्षण किया। 9 अप्रैल से चैत्र नवरात्रि पर्व की शुरूआत हो रही है। बिजासन माता मंदिर में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। उन्होंने सफाई व्यवस्था सहित भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए। श्रद्धालुओं के लिए गर्मी को देखते हुए पर्याप्त रूप से पीने का पानी, छाया के टेंट, कारपेट बिछाने आदि आवश्यक प्रबंध करने और व्यवस्था बनाने के लिए पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम लगाने के लिए कहा है। सुरक्षा के लिहाज से सीसीटीवी कैमरे के साथ ही साफ सफाई करने के संबंध में भी निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान मार्ग पर ब्लॉक टूटे हुए होने पर ब्लॉक बदलने, पार्किंग व्यवस्था, पार्किंग के बोर्ड आदि लगाने के भी कमिश्नर ने कहा है। इस दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री महेश शर्मा, डीआर लोधी, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर अखिलेश उपाध्याय, जोनल अधिकारी विनोद अग्रवाल और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बस पर बकाया निकला एक लाख टैक्स, बिना फिटनेस वाले वाहन भी जब्त

इंदौर। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर और संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों, स्कूली वाहनों, सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। जिसमें वाहनों के फिटनेस, परमिट बीमा पीयूसी, कर प्रमाण पत्र भी चेक किए जा रहे हैं। जांच के दौरान एक बस जिस पर 1 लाख रुपए टैक्स बकाया था, दो मालवाहक वाहन बिना फिटनेस, दो सिटी मैजिक बिना फिटनेस के संचालित होने पर जब्त की गई। इस दौरान 40 से अधिक वाहनों पर चालानी कार्यवाही की गई। बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराए की भी जांच की जा रही है। लोगों को अपने वाहनों पर एचएसआरपी नंबर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। स्कूल वाहनों की विशेष चेकिंग की जा रहीं है। जिसमें वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। बच्चों, पालकों से चालक परिचालक के व्यवहार के बारे में फीडबैक भी लिया जा रहा है। वहीं आदर्श आचार संहिता के बारे में वाहन चालकों को जागरूक किया जा रहा है। उल्लंघन करने वाले विभिन्न वाहनों पर अफसरों ने कार्यवाही की। वाहनों पर अवैधानिक रूप से लगे राजनीतिक चिन्ह वाले बैनर पोस्टर को भी हटवाया गया। अनाधिकृत रूप से हूटर लगे वाहनों पर कार्यवाही की गई। इसी दौरान विभित्र यात्री बस और स्कूल वाहनों पर परमिट शर्तों का उल्लंघन करने पर कार्यवाही की गई।

11 साल पहले के मामले में गैंग रेप और हत्या में दोहरी उम्रकैद बरकरार

इंदौर। 11 साल पहले नाबालिग के साथ गैंग रेप करने वाले तीन आरोपियों की दोहरी उम्र कैद को हाई कोर्ट ने सही ठहराया है। आरोपियों ने निचली अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में अपील की थी। हाई कोर्ट ने पर्याप्त साक्ष्य होने पर निचली अदालत के फैसले को सही ठहराते हुए तीनों की अपील खारिज कर दी। आरोपियों के नाम बबलू, नितेश और भूरा उर्फ धीरज हैं। घटना 17 जनवरी 2013 को खुडैल क्षेत्र में हुई थी। घटना वाले दिन 12 साल की नाबालिग घर से गायब हो गई थी। बाद में उसका शव पुलिस ने बरामद किया था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में उसके साथ दुष्कर्म और हत्या की पुष्टि हुई थी। छानबीन के बाद पुलिस ने इन तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया था। 3 अगस्त 2013 को जिला कोर्ट ने तीनों आरोपियों को दोषी पाते हुए दोहरी उम्र कैद की सजा सुनाई थी।

लाइव रेड, राजस्थान रायल्स व गुजरात टाइटंस पर सट्टा लगाते गिरफ्तार

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने बुधवार को आइपीएल पर सट्टा लगाते हुए सटोरिये को पकड़ा। पुलिस ने छापा मारा तो सटोरियों के फोन आ रहे थे। एक साथ कई लोग भाव लगा रहे थे।पुलिस को 9 मोबाइल, 9 सिम कार्ड, लेपटाप सहित लाखों रुपयों का हिसाब मिला है। पिछले एक सप्ताह में आनलाइन सट्टे की चौथी कार्रवाई है। पुलिस सिर्फ मोहरों तक पहुंची है। मास्टरमाइंड अभी तक पकड़ से दूर है।सरगना दुबई में बैठा है।
एडिशनल डीसीपी (अपराध) राजेश दंडोतिया के मुताबिक, आरोपित धीरेंद्र पुत्र राजेंद्र सोनी निवासी सुदामा नगर को पकड़ा गया है। आरोपित सुदामा नगर में राजस्थान रायल्स विरुद्ध गुजरात टाइटंस मैच पर सट्टा लगा रहा था।आरोपित ने कई आइडी बना रखी थी। पुलिस ने छापा मारा तब भी सटोरिये काल कर भाव लगा रहे थे। पुलिस के सामने ही फोन बज रहे थे। मौके से पुलिस को 9 मोबाइल, 9 सिम कार्ड, एक लेपटाप, टीवी, जियो वाइफाइ और लाखों रुपयों का हिसाब मिला है। क्रिकेट के सट्टे के रुपयों से कपड़ों की दुकान संचालित करता है।

शिविर का मोतियाबिंद : चोइथराम अस्पताल में नेत्र शिविर में ऑपरेशन कराना पड़ा महंगा, कम हो गई 8 लोगों की आंखों की रोशनी, कलेक्टर ने मांगी जांच रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर में 2019 के बाद अब फिर से नेत्र शिविर में एक और आंखफोड़वा कांड सामने आया है। चोइथराम अस्पताल में आयोजित हुए नेत्र शिविर में ऑपरेशन कराने वाले 79 मरीजों में से 8 मरीजों की आंखों की रोशनी कम होने का मामला सामने आया है। इसके बाद चोइथराम अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर को सील कर दिया गया है और कलेक्टर आशीष सिंह ने जांच के आदेश दिए हैं। बता दें कि 20 मार्च को चोइथराम नेत्रालय में नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस (एनपीसीबी) के तहत एक शिविर का आयोजन किया गया था और उसमें 79 मरीजों की आंखों के ऑपरेशन हुए थे। इनमें से आठ मरीजों ने कम दिखाई देने की शिकायत की थी। कलेक्टर ने एक टीम गठित कर जांच के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर आशीष सिंह ने पूरे मामले की रिपोर्ट मांगी है। ऑपरेशन के बाद आठ मरीजों की आंखों की रोशनी कम होने की जांच सोमवार से शुरू होगी। इन मरीजों के ऑपरेशन को 18 दिन हो गए हैं। ये सभी अपने-अपने घरों में हैं। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि हॉस्पिटल में कैंप लगाया गया था। इसके बाद कुछ लोगों की शिकायतें मिलीं। डॉक्टरों को भी जांच के लिए भेजा गया। फिलहाल कारण पता नहीं चल सका है। हालांकि

चोइथराम अस्पताल में पहले भी कई बड़े-बड़े कैंप लग चुके हैं, जो की सक्सेसफुल रहे हैं। इस प्रकार की गलती फिर से न हो इसके लिए कारणों की जांच की जाएगी। टीम को निर्देशित किया गया है। अब मरीजों के लिए अन्य सर्जरी पर विचार किया जा रहा है। एनपीसीबी के जिला नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीप गोयल के बताया कि 20 मार्च को राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीबी) के तहत कैंप में मरीजों की मोतियाबिंद की सर्जरी की गई थी। ज्यादातर मरीज इंदौर, उज्जैन और धार के रहने वाले थे। ऑपरेशन के दूसरे दिन रोशनी कम होने की शिकायत मिली थी। ज्यादातर मरीज 50 से 85 साल के उम्र के बीच है। इंदौर में यह पहला मामला नही है। इससे पहले भी 2019 में इंदौर नेत्र चिकित्सालय (आई हॉस्पिटल) में 15 मरीजों की आंख की रोशनी मोतियाबिंद ऑपरेशन के दौरान जाने का मामला सामने आया था।

इन मरीजों की रोशनी हुई कम

जिन मरीजों की रोशनी कम हुई है उनके नाम गंगाबाई, सुशीलाबाई, नाहरसिंह बरेला, हुकुम सभी निवासी खरगोन, पांडुरंग निवासी धार, रामकिशन निवासी खंडवा, कालूराम निवासी उज्जैन और मालती बाई निवासी इंदौर हैं। हालांकि स्वास्थ्य विभाग और हॉस्पिटल प्रबंधन ने इन मरीजों के नामों की पुष्टि नहीं की है। इन सभी मरीजों की उम्र 50 से 85 वर्ष तक है।

डिस्चार्ज होने के बाद ही शुरू हुई दिक्कत

कैंप में जिन मरीजों ने ऑपरेशन हुए थे उन सभी को 22 मार्च को डिस्चार्ज का दौर चल रहा था। तभी इनमें चार मरीजों की आंखों में इन्फेक्शन मिला। फिर डॉक्टरों ने सभी मरीजों की जांच की तो चार और मरीजों की आंखों में इन्फेक्शन मिला। इसके बाद इन आठ मरीजों का इलाज शुरू किया गया।

ओटी के नमूने नकारात्मक पाए गए

जांच के बाद प्रभावित मरीजों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। 50 से 85 वर्ष की आयु के मरीजों को सर्जरी के अगले दिन सूजन, जलन और आंखों की रोशनी कम होने की समस्या होने लगी। स्वास्थ्य विभाग की एक टीम ने कल्चर परीक्षण के लिए ओटी के नमूने भी एकत्र किए थे, जो नकारात्मक पाए गए।

आठ मरीजों का एक ही टेबल पर ऑपरेशन

एक तथ्य यह भी सामने आ रहा है कि जिस थिएटर में ऑपरेशन हुए वहां कई ऑपरेशन की टेबलें हैं। इनमें इन आठ मरीजों का एक ही टेबल पर ऑपरेशन हुआ। सील करने के पूर्व स्वास्थ्य विभाग ने ओटी से कल्चर के लिए सैंपल लिए। सीएमएचओ डॉ. बीएस सेत्या ने बताया कि यह जांच का विषय है कि इन आठों मरीजों की आंखों में इन्फेक्शन कैसे फैला। अब पूरी जांच होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। अभी इन मरीजों की रिकवरी चल रही है और ट्रीटमेंट के बाद इनकी आंखों की रोशनी सामान्य हो जाएगी।

ऐसे मिली विभाग को सूचना

कैम्प हॉस्पिटल और स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। इसके बाद सारे मरीज हॉस्पिटल में एडमिट होकर एक दिन के फॉलोअप पर थे। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने हॉस्पिटल का दौरा भी किया था। उस दौरान इन मरीजों के बयान इसलिए नहीं लिए कि अभी उनका इलाज चल रहा है। घटना के सामने आने के बाद ऑपरेशन थिएटर बंद कर स्वास्थ्य विभाग को लिखित में सूचना दी गई थी।

मामला भोपाल तक पहुंचा

बताया जाता है कि यह मामला भोपाल तक पहुंचा था। इसके बाद डॉ. प्रदीप गोयल (नोडल अधिकारी, अंधत्व निवारण कार्य्रक्रम), अनुभा श्रीवास्तव (नेत्र विशेषज्ञ, जिला अस्पताल) और डॉ. श्वेता वालिया (नेत्र विशेषज्ञ, एमजीएम कॉलेज) की जांच कमेटी बनाई है। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि हॉस्पिटल में पूर्व में भी कैम्प आयोजित किए गए हैं। कमेटी की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी।

17 साल बाद एमआर-10 टोल नाका 14 अप्रैल से होगा बंद

इंदौर। एमआर-10 रोड पर बना टोल नाका 17 साल बाद बंद होगा। नाके की मियाद 19 जनवरी को खत्म हो गई थी, लेकिन कोरोना काल और नोटबंदी के समय टैक्स वसूली प्रभावित होने के कारण इंदौर विकास प्राधिकरण ने 86 दिन का अतिरिक्त समय दिया था। जब ब्रिज का निर्माण हुआ था, तब वह नगर निगम सीमा के बाहर आता था, लेकिन 29 गांव नगर निगम में शामिल होने के बाद ब्रिज से एमपी-09 सीरिज के वाहनों से टोल टैक्स नहीं वसूला जाता था। दूसरे शहरों के वाहनों से वसूली की जा रही थी। वर्ष 2004 के समय इंदौर विकास प्राधिकरण ने चंद्रगुप्त मोर्य प्रतिमा चौराहा से लवकुश चौराहा तक एमआर-10 रोड बनाया था। तब रेलवे पटरी पर ब्रिज बनाने का फैसला लिया गया। सिंहस्थ के समय यहां रेलवे क्रासिंग बनाया गया था।

वर्ष 2008 में ब्रिज बनकर तैयार हुआ था और ब्रिज निर्माण करने वाली कंपनी को 17 साल के लिए टोल वसूलने का अनुबंध इंदौर विकास प्राधिकरण ने किया था। तब ब्रिज के लिए टोल वसूलने का शहरवासियों ने विरोध भी किया था। सुपर कॉरिडोर बनने और इंदौर-उज्जैन रोड पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ने के कारण इस टोल नाके पर जाम भी काफी लगने लगा था। टोल नाका बंद होने के बाद इस मार्ग पर ट्रैफिक जाम से भी मुक्ती मिलेगी।

छहलेन बन सकता है ब्रिज

चंद्रगुप्त मोर्य प्रतिमा चौराहा से देपालपुर रोड तक इंदौर विकास प्राधिकरण ने दस लेन सड़क बनाई है। सुपर कॉरिडोर पर दूसरा ब्रिज आठ लेन का बना है,लेकिन 17 साल पहले फोरलेन ब्रिज बना था,क्योंकि जब इंदौर विकास प्राधिकरण की आर्थिक हालत ठीक नहीं रहती थी। टोल नाका समाप्त होने के बाद अब ब्रिज को छह लेन बनाया जा सकता है।

तेज रफ्तार कार चला रहे युवक ने मारी छह लोगों को टक्कर, चार गंभीर

इंदौर। इंदौर के समीप जाम गेट मार्ग पर एक कार चालक ने छह लोगों को टक्कर मार दी। जिनमें चार की हालत गंभीर है, जबकि दो लोगों को मामूली चोटें आई है। ग्रामीणों ने बताया कि कार चला रहा युवक नशे में था। तेज स्पीड के कारण कार ने संतुलन खो दिया और सड़क पर चल रहे दूसरे बाइक सवारों और पैदल यात्रियों को टक्कर हो गई। जाम गेट की तरफ से एक कार चालक तेज गति से कार चलाकर लाया। पहले उसने दो बाइक चालकों को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े और उन्हें गंभीर चोटें आई। टक्कर इतनी खतरनाक थी कि कार का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद भी कार नहीं रुकी और पैदल चल रही एक महिला को पीछे से टक्कर मार दी। महिला की

हालत गंभीर है। इसके बाद युवक कार को फिर भगाने लगा, लेकिन ग्रामीणों ने उसका पीछा कर पकड़ लिया। कार चालक नशे में था और ग्रामीणों से भी बदसलूकी करने लगा। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने चालक को हिरासत में ले लिया है और कार भी जब्त कर ली। इस हादसे में टक्कर लगने से चार लोग गंभीर रुप से घायल हुए है और दो को मामूली चोंटें आईं है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। दो युवकों को सिर में गंभीर चोटें आईं है।

1 करोड़ 28 लाख नकद और 22 किलो 600 ग्राम चांदी को देख पुलिस भी चौंक गई

बस की डिक्की में हवाला का माल

इंदौर। झाबुआ पुलिस ने इंदौर से राजकोट जाने वाली बस की डिक्की से 1 करोड़ 28 लाख नकद और 22 किलो 600 ग्राम चांदी जप्त की है। राहुल ट्रेवल्स की बस की डिक्की में मिले इस पैसे और चांदी को देखकर पुलिस भी चौंक गई है। पुलिस को बस ड्राइवर ने बताया कि ये रुपए और चांदी विष्णु नाम के युवक ने रखे थे। वह इंदौर के गंगवाल बस स्टैंड के आगे से बैठा था। कुछ देर के बाद उसे लगा कि पुलिस को पता चल गया है तो वह रुपए और चांदी को छोड़कर भाग गया। उसने रुपए और चांदी का बोरा एक पार्सल बताकर बस की डिक्की में रखा। पुलिस पार्सल रखने वाले युवक तक पहुंच गई है और उसे पूछताछ के लिए बुलाया गया है। बताया जा रहा है कि यह सब माल राजकोट के बड़े हवाला और सराफा कारोबारी भीकाजी का है। राहुल ट्रेवल्स की बस शुक्रवार रात इंदौर से राजकोट के लिए निकली। रात 12.30 बजे बस की पिटोल चेकपोस्ट पर जांच हुई जो झाबुआ के पास एमपी का आखिरी चेक पोस्ट है। इसके बाद यहां पर गुजरात की सीमा लग जाती है। क्रमांक एमपी13 जेडएफ 6432 की बस को एसएसटी, एफएसटी के साथ झाबुआ पुलिस ने संयुक्त रूप से चेकिंग में पकड़ा। बस की डिक्की को खोला तो एक बोरे में रुपए और चांदी की सिल्लियां मिली।

अकसर पार्सल लेकर बस से आता-जाता है

पुलिस ने ड्राइवर विनोद हिरवे और योगेश डंडोरे से पूछताछ की। दोनों यह नहीं बता पाए कि पार्सल रखने वाला युवक विष्णु कहां गया। उन्होंने बस इतना बताया कि विष्णु कोरियर कंपनी में काम करता है। दोनों ने बताया कि वह अकसर पार्सल लेकर बस से आता-जाता है लेकिन बस के ऑफिस से टिकट बुक नहीं कराता। वह बीच रास्ते में ही बैठता है। इसके बदले वह ड्राइवर को पार्सल के एवज में कुछ रुपए दे देता है। सारा रुपया-चांदी हवाला रैकेट का हिस्सा माना जा रहा है।

ये सवाल अभी भी बरकरार

पिटोल चौकी प्रभारी पल्लवी भावर को इनपुट मिला था कि

राहुल ट्रेवल की बस में हवाला के जरिये रुपए और चांदी ले जाई जा रही है। इंदौर से चलने के बाद बस धार में सोनू होटल पर रुकी। यहां यात्रियों ने चाय-नाश्ता किया। फिर पिटोल पर चेकिंग हुई। लेकिन पार्सल ले जाने वाला युवक विष्णु कब बस से उतरा यह किसी को नहीं पता। विष्णु पिटोल चेकिंग टोल पर बस से उतर गया या फिर उसे धार में पता चल गया था कि पुलिस को मुखबिरी हो गई है। वो बस में स्टाप के बाद सवार हुआ या नहीं। ये सवाल अभी भी बरकरार है, यह जवाब विष्णु ही दे सकता है।

झाबुआ पुलिस ने युवक से की फोन पर बात

रुपयों से भरा बोरा लावारिस छोड़ युवक पुलिस से बचकर भाग तो गया लेकिन पुलिस उस तक पहुंच गई है। शनिवार को झाबुआ पुलिस ने उससे फोन पर बात की और उसे पूछताछ के लिए बुलाया। पूछताछ में ही ये साफ हो पाएगा कि माल किसका था? किस के कहने पर वो इसे राजकोट ले जा रहा था? माल छोड़कर वो क्यों भागा? पहले भी वो इस तरह से हवाला के जरिये रुपए और चांदी पहुंचा चुका है क्या? कब से वो कोरियर कंपनी में काम कर रहा है और इस तरह के काम में लिप्त है?

इस एंगल पर भी पुलिस कर रही काम

राजकोट चांदी का गढ़ है। जो रुपए और चांदी जब्त हुई है कयास लगाए जा रहे हैं कि ये एक व्यापारी का माल भी हो सकता है और एक से अधिक व्यापारी भी इसमें शामिल हो सकते हैं। कोरियर वाला जो युवक बस में सवार हुआ था, उनकी खुद की भी कोरियर की गाड़ी चलती है। फिर बस में माल ले जाने के पीछे क्या कारण रहा। या तो डिलीवरी जल्दी करना होगी या पार्सल गाड़ी बाद में जाने वाली होगी तब तक इंतजार नहीं किया जा सकता था। इस एंगल पर भी पुलिस काम कर रही है।

एक-एक पार्सल को खोल कर देखा

इंदौर से राजकोट जाने वाली बस के अलावा राहुल ट्रैवल की राजकोट से इंदौर आने वाली बस की भी चेकिंग पुलिस ने की। रुपए और चांदी मिलने के बाद राजकोट से इंदौर आने वाली बस सुबह करीब 4 बजे पिटोल नाके पर पहुंची। यहां पुलिस ने बस में रखे एक-एक पार्सल को खोल कर देखा और उसकी जांच की। बस जब इंदौर पहुंची तो सभी पार्सल के पैकेट खुले हुए थे। लेकिन पार्सल में कुछ भी नहीं मिला।

पार्सल की बुकिंग नहीं की गई थी

राहुल ट्रेवल के प्रोपराइटर सुधीर त्रिपाठी का कहना है कि पार्सल की बुकिंग नहीं की गई थी। गंगवाल के आगे चंदन नगर से कोई पैसेंजर बैठे थे। उनका पार्सल था। पिटोल बॉर्डर पर जब चेकिंग हुई तो पैसेंजर माल छोड़कर चले गए। ये रास्ते के पैसेंजर थे, जिन्हें ड्राइवर लोग रास्ते से बैठाते हैं। उसकी डिटेल हमारे पास नहीं रहती है। आए दिन अप डाउन करते हैं तो ड्राइवर से संपर्क में रहते हैं। ड्राइवर योगेश से मेरी बात हुई है, उसने बताया कि पैसेंजर ने कोरियर का सामान बोल कर गाड़ी में बोरा रखा था। मुझे सुबह 7.30 बजे पता चला।

कॉम्बिंग गश्त- गुंडे, बदमाश और अवैधानिक गतिविधियों में लिप्त रहने वाले लोगों की हुई जांच

सड़क पर उतरी पुलिस तो एक ही रात में 506 अपराधियों को पकड़ा

इंदौर। इंदौर पुलिस ने शनिवार देर रात कॉम्बिंग गश्त कर 866 बदमाशों को चेक किया। इसमें से 506 पर कार्रवाई की गई। इनमें गुंडे, बदमाश एवं अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त रहने वाले असामाजिक तत्व शामिल थे। इसके साथ शनिवार को 513 से ज्यादा वारंटों को तामील कराया गया जिसमें लंबे समय से फरार समंस भी तामील किए गए। इनमें 01-फरारी, 143-स्थाई, 149-गिरफ्तारी और 220 जमानती वारंट शामिल थे। पुलिस कमिश्नर इंदौर राकेश गुप्ता के निर्देश पर शहर के चारों जोन के डीसीपी के नेतृत्व में देर रात से सुबह तक इंदौर के सभी थाना क्षेत्रों में गुंडे बदमाशों पर निगरानी एवं धरपकड़ के लिए कॉम्बिंग गश्त की गई। इस दौरान टीम में हर जगह संबंधित क्षेत्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी व थाना प्रभारी भी शामिल रहे।

अवैध शराब, नशे में ड्राइविंग और हथियार रखने के मामले

अवैध शराब के 06 प्रकरण तथा अवैध हथियार के साथ घूमते हुए मिलने पर 07 प्रकरण पंजीबद्ध कर बदमाशों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई। अवैध मादक पदार्थों का सेवन करने वाले 01 प्रकरण

एवं सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने के 03 प्रकरण पंजीबद्ध कर असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही की गई। शराब पीकर वाहन चलाने वाले 53 लोगों के विरुद्ध 185 मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही की गई।

तीन हजार का इनामी भी धराया

इंदौर के अपराधिक प्रवृत्ति के गुंडे/बदमाशों, नकबजनों एवं निगरानीशुदा बदमाशों सहित कई चाकूबाजों, ड्रग पैडलर और जिलाबदर बदमाशों सहित करीब 140 से ज्यादा गुंडे/बदमाशों को भी चेक किया गया। थाना भंवरकुआं द्वारा हत्या के प्रयास के प्रकरण में फरार तीन हजार के इनामी बदमाश को भी गिरफ्त में लिया गया। पुलिस ने अपराधियों को पकड़कर डोजियर भरवाकर अपराध नहीं करने की हिदायत दी।

नेताओं ने अलग-अलग मुद्दों की दी जानकारी, जाति आधारित गणना और किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी देने जैसी कही बात

कांग्रेस ने न्याय पत्र को बताया देश के भविष्य का रोडमैप

सिटी चीफ...भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस के बड़े नेताओं ने बुधवार को पीसीसी में लोकसभा चुनाव को लेकर अपना न्याय पत्र जारी किया। इस दौरान सभी नेताओं ने अलग-अलग मुद्दों पर मीडिया से चर्चा की। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और अजय सिंह (राहुल भैया) को छोड़कर सभी वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने न्याय पत्र को भारत के भविष्य का रोडमैप बताया। दिग्विजय सिंह ने कहा कि हिस्सेदारी पता करने के लिए जाति आधारित गणना कराएंगे। पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव ने बताया कि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी दी जाएगी। फसल बीमा की राशि 30 दिन के अंदर दी जाएगी। जिला स्तर पर कृषि विश्वविद्यालय खोले जाएंगे। नारी न्याय को लेकर महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष विभा पटेल ने बताया कि महालक्ष्मी योजना लागू करके प्रत्येक गरीब परिवार की एक महिला को वार्षिक एक लाख रुपये दिए जाएंगे। केंद्र सरकार की नौकरी में 50 प्रतिशत आरक्षण के साथ पंचायतों में अधिकार मैत्री की नियुक्ति होगी।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि वन अधिकार नियम को लेकर राष्ट्रीय मिशन स्थापित होगा। छात्रवृत्ति दोगुनी और बैकलॉग की भर्ती एक साल के भीतर की जाएगी। जहां आदिवासियों की आबादी अधिक है, उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष जेपी धनोपिया ने बताया कि श्रमिकों को प्रतिदिन न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये दी जाएगी।

जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा

कांग्रेस नेता विवेक तन्खा ने संवैधानिक न्याय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि कश्मीर के लोगों की बात की जाती है, पर वहां चुनाव तक नहीं कराए जा रहे हैं। मणिपुर में क्या वाकई लोगों के साथ न्याय हो रहा है। हम जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करेंगे। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम में संशोधन किया जाएगा। संसद की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। वहां विपक्ष को अपना एजेंडा रखने का मौका नहीं मिलता है। जब हमारे प्रस्ताव स्वीकार नहीं होते और आसंदी के सामने आते हैं तो निष्कासित कर दिया जाता है। मैं इसे प्रजातांत्रिक नहीं मानता हूं और इस तरह की व्यवस्था

में रहना नहीं चाहता हूं। इसको लेकर उप राष्ट्रपति को पत्र भी लिखा है।

कम से कम 100 दिन संसद चले

विवेक तन्खा ने कहा, हम सुनिश्चित करेंगे कि कम से कम 100 दिन संसद चले। सप्ताह में एक दिन विपक्ष को अपने विषयों पर चर्चा करने की पूर्ण स्वतंत्रता होगी। न्यायालयों में तीन करोड़ मामले लंबित हैं। राष्ट्रीय न्यायिक आयोग की स्थापना की जाएगी, जो न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार होगा। कांग्रेस चुनाव न लड़ पाए, इसलिए पूरा पैसा फ्रीज कर दिया जाता है। सरकारें आएंगी-जाएंगी पर लोकतंत्र को बचाने के लिए कानून को ठीक करना पड़ेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, सांसद विवेक तन्खा, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष जेपी धनोपिया और विभा पटेल शामिल थीं।

ये हैं प्रमुख घोषणाएं

10वीं अनुसूची में संशोधन का वादा। इसके तहत दल बदल करने पर विधानसभा या संसद की सदस्यता खुद समाप्त हो जाएगी।

पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां सख्ती से कानून के अनुसार काम करेंगी। हर मामले को संसद या राज्य विधान मंडलों की निगरानी में लाया जाएगा।

वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध। लोकसभा और विधानसभा चुनाव तय समय पर ही करवाएंगे।

मतदान ईवीएम के जरिए होंगे, लेकिन वीवीपैट की पर्ची से मिलान किया जाएगा।

गंभीर मरीजों का केवल इमरजेंसी में किया जा रहा सामान्य इलाज, बाकी लौट रहे खाली हाथ

तीन दिन की छुट्टी ने सरकारी अस्पतालों में मरीजों की बढ़ाई परेशानी

सिटी चीफ...भोपाल।

त्योहारों के मौसम में तीन दिन की लगातार सरकारी छुट्टी होने से सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में इलाज के लिए आने वाले मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। सीरियस मरीजों को केवल इमरजेंसी में सामान्य इलाज किया जा रहा है। अलग-अलग बीमारियों से पीड़ित अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को बगैर इलाज वापस लौटना पड़ रहा है। मध्यप्रदेश की राजधानी के चार बड़े अस्पताल हमीदिया एम्स जयप्रकाश जिला चिकित्सालय (जेपी) और कैलाश नाथ काटजू अस्पताल की ओपीडी में हर दिन आठ हजार के करीब मरीज इलाज करने पहुंचते हैं। अब ऐसे में इन मरीजों की परेशानी बढ़ती जा रही है। दरअसल, रविवार की छुट्टी के बाद सोमवार को ओपीडी चालू थी। इसके बाद मंगलवार को गुड़ी पड़वा बुधवार को चैटीचांद और गुरुवार को ईद की छुट्टी है। इस वजह से अस्पताल की ओपीडी बंद है। हालांकि, जिला अस्पताल जेपी के अधीक्षक डॉ. राकेश श्रीवास्तव का कहना है कि बुधवार को दो घंटे के लिए ओपीडी चालू की गई थी। लेकिन मरीजों को जानकारी नहीं होने

की वजह से संख्या काफी कम पहुंची।

आयुष जूनियर डॉक्टरों के सहारे जेपी का इमरजेंसी

राजधानी भोपाल का मॉडल अस्पताल कहा जाने वाला जेपी में चिकित्सकों की कमी पूरी नहीं हो पा रही। जहां तीन दिन की छुट्टी होने के कारण ओपीडी बंद है। ऐसे में इमरजेंसी सेवा चालू है, लेकिन यहां की इमरजेंसी भी आयुष जूनियर डॉक्टरों के सहारे चल रही है। इमरजेंसी में सीनियर डॉक्टर नहीं पहुंच रहे। जानकारी के लिए बता दें कि आयुर्वेद, होमियोपैथी और नेचुरोपैथी की पढ़ाई करने वाले जूनियर डॉक्टर जेपी अस्पताल में प्रैक्टिस करने के लिए आते हैं और अस्पताल प्रबंधंन इन डॉक्टरों को इमरजेंसी में ड्यूटी करवाता है।

सरकारी अस्पतालों की ओपीडी

एम्स अस्पताल भोपाल- 50000

हमीदिया हॉस्पिटल- 2000

जेपी अस्पताल भोपाल- 1500

काटजू हॉस्पिटल भोपाल- 500

इनका कहना है...

अस्पताल में तीन दिन सरकारी छुट्टी होने की वजह से ओपीडी बंद है। बुधवार को हमने दो घंटे के लिए ओपीडी चालू किया था, काफी मरीजों का इलाज किया गया। अस्पताल में 24 घंटे इमरजेंसी सेवा चालू है और सभी डॉक्टर भी अपने ड्यूटी में पहुंच रहे हैं। जूनियर डॉक्टर केवल उनकी सहायता के लिए रहते हैं।

मोदी के बयान पर दिग्विजय बोले- 'क्या उस द्वीप पर कोई रहता भी है?'

सिटी चीफ...भोपाल।

मध्यप्रदेश के राजगढ़ से कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह पीएम नरेंद्र मोदी के कच्चातिवु द्वीप पर दिए बयान पर तंज कसा है। इसमें उन्होंने उनसे पूछा है कि क्या उस द्वीप पर कोई रहता भी है? मैं पूछना चाहता हूं।

हैं। वे हमेशा अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं।

दरअसल, लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी के लिए प्रचार करने तमिलनाडु पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष को घेरा। पीएम मोदी ने कांग्रेस और उसके तमिलनाडु में सहयोगी सत्तारूढ़ द्रमुक (डीएमके) पर जमकर हमला किया और कहा कि कांग्रेस और डीएमके ने तमिलनाडु के लोगों को अंधेरे में रखा है। उन्होंने निर्दयतापूर्वक कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को दे दिया और हमारे मछुआरों के साथ अन्याय किया। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में आगे कहा, एनडीए सरकार लगातार हमारे मछुआरों को रिहा करा रही है और उनकी घर वापसी करा रही है। डीएमके और कांग्रेस सिर्फ मछुआरों की ही नहीं, बल्कि पूरे देश की गुनहगार है। पीएम मोदी

के बयान पर दी गई प्रतिक्रिया में राजगढ़ से कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार दिग्विजय सिंह ने कहा, क्या उस द्वीप पर कोई रहता है? मैं पूछना चाहता हूं।

कंगना रनौत ने किया पलटवार

एक्ट्रेस और बीजेपी के टिकट पर लोकसभा चुनाव में उतरी कंगना रनौत ने दिग्विजय के बयान को लेकर कांग्रेस को घेर लिया है। ह्यएक्सह्ल पर लिखा, नेहरू जी की अक्साई चिन को बंजर। जमीन बताने वाली सोच आज भी कांग्रेस में जीवित है। दिग्विजय जी का कच्चातिवु द्वीप को लेकर दिया गया बयान उसी सोच को दशार्ता है। इसी मानसिकता के कारण कांग्रेस शासन में भारत के दूरस्थ क्षेत्रों में विकास नहीं हो पाया। लेकिन यह नया भारत है, यहां देश के सबसे ऊंचे पोलिंग स्टेशन ह्यताशीगंगह्ल तक नल से जल पहुंच रहा है, हिमाचल प्रदेश के ह्यकॉमिकह्ल जैसे ऊंचे गांवों तक बेहतर सड़क कनेक्टिविटी और बिजली से हर घर रोशन है। देश की भौगोलिक अखंडता के साथ कोई समझौता नहीं किया जायेगा, और ऐसी सोच रखने वालों को देश जवाब जरूर देगा।

लोगों से की निष्पक्ष और भयमुक्त होकर वोट देने की अपील

मतदाता जागरूकता का संदेश देने साइकिल रैली

सिटी चीफ...भोपाल।

मतदाता जागरूकता का संदेश देने एवं मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से बुधवार को राइड फॉर वोट साइकिल रैली निकाली गई। साइकिल रैली को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ऋतुराज सिंह एवं एडीएम हर्शल पंचोली ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अन्य अधिकारी,गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में प्रतिभागी मौजूद रहे।

विठ्ठल मार्केट से प्रारंभ हुई राइड फॉर वोट साइकिल रैली शहर से होते हुए गौहर महल पर समाप्त हुई। रैली के

दौरान लोकसभा निर्वाचन में भय मुक्त होकर निष्पक्ष मतदान करने विशेष रूप से युवाओं को मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत और स्वीप कार्यक्रम प्रभारी ऋतुराज सिंह ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रमों का उद्देश्य चुनावों में मतदाताओं को जागरूक करना और किसी भी प्रकार के दबाव और भय से मुक्त करना है, ताकि मतदाता बिना किसी प्रलोभन के भयमुक्त होकर निष्पक्ष रूप से मतदान कर सकें। मतदाताओं को निर्वाचन में आवश्यक रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

मप्र के सीएम डॉ मोहन यादव बोले- बारिश से किसानों को हुए फसल नुकसान की भरपाई की जाएगी

भोपाल। मध्य प्रदेश में बारिश और ओलावृष्टि से किसानों को हुए फसल नुकसान की भरपाई की जाएगी। यह कहना है मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का। मुख्यमंत्री ने समाचार एजेंसी पीटीआई से राज्य में असामयिक बारिश से फसल को हुए नुकसान पर कहा कि वे इस मामले को लेकर गंभीर हैं। डॉ मोहन यादव ने कहा - मैंने हालात का संज्ञान लिया है और इस संबंध में राज्य के अधिकारियों के साथ बैठकें की हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों को मदद के लिए प्रतिबद्ध है। हमने इस संबंध में चुनाव आयोग को लिखा है। मुआवजा देना होगा तो देंगे। मुख्यमंत्री के अनुसार किसानों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए जो भी कदम उठाने होंगे हम उठाएंगे।

तीन दिन से रुक-रुककर हो रही वर्षा, फिर भी नहीं जागे जिम्मेदार भीग गया सैकड़ों क्विंटल गेहूं

सिटी चीफ...भोपाल।

जिले में इन दिनों समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी उपार्जन केंद्रों पर की जा रही है। जहां पर खरीदा हुआ गेहूं रखा भी जा रहा है। इसी बीच पिछले तीन दिन से भोपाल और आसपास के इलाकों में मौसम का मिजाज बिगड़ गया है। हवा-आंधी चलने के साथ रुक-रुककर वर्षा हो रही है, फिर भी जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया और बुधवार दोपहर को हुई तेज वर्षा की वजह से खरीदा गया सरकारी गेहूं भीग गया। यदि समय पर उपाय किए जाते तो गेहूं को भीगने से बचाया जा सकता था ।जानकारी के अनुसार जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए 80 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 14 का जिम्मा समितियों के पास है, जहां रजिस्टर्ड किसानों का गेहूं खरीदा जा रहा है। ज्यादातर उपार्जन केंद्रों को निजी वेयरहाउस पर बनाया गया है, जिससे गेहूं खरीदी के तुरंत बाद गेहूं को सुरक्षित रखा जा सके। भोपाल सहित आसपास के क्षेत्र में रविवार से पानी गिर रहा है, जिसको लेकर सभी प्रबंधकों को एहतियात बरतने की हिदायत दी गई थी, लेकिन बुधवार को कोढ़िया समिति के भगवान वेयरहाउस केंद्र के बाहर खेत में रखा करीब ढाई सौ क्विंटल गेहूं पानी में भीग गया। यहां पर स्वसहायता समूह की महिलाओं को गेहूं खरीदने की जिम्मेदारी दी गई है। पानी गिरने के दौरान यहां पर पन्नी का तिरपाल मौजूद नहीं था, जिसकी वजह से गेहूं पानी में भीगा है। जिला आपूर्ति नियंत्रक का कहना है कि जिन वेयरहाउस में पानी की वजह से गेहूं भीगा है, वहां से रिपोर्ट मांगी गई है।

कांग्रेस ने बदले एनएसयूआई प्रभारी

राष्ट्रीय सचिव महावीर गुर्जर और रितु बराला बने मध्य प्रदेश प्रभारी

सिटी चीफ...भोपाल।

मध्य प्रदेश में लोकसाभ चुनाव चार चरणों में होने हैं। जैसे-जैसे चुनाव करीब आ रहे हैं वैसे-वैसे कांग्रेस में बदलाव का दौर देखने को मिल रहा है। जहां कांग्रेस ने मितेंद्र दर्शन सिंह को यूथ कांग्रेस का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया था तो वहीं, एनएसयूआई प्रभारी बदले गए हैं।

राष्ट्रीय सचिव महावीर गुर्जर और रितु बराला को मध्यप्रदेश एनएसयूआई का प्रभारी बनाया गया है। महावीर गुर्जर छात्र संघ में राजस्थान विश्वविद्यालय में महासचिव रहे हैं। वहीं, रितु बराला छात्र संघ में राजस्थान के महारानी महाविद्यालय में अध्यक्ष रही हैं। एनएसयूआई नेता रवि परमार ने बताया कि लंबे समय के बाद एनएसयूआई के प्रदेश प्रभारी बदले गए हैं। पूर्व प्रदेश प्रभारी नितीश गौड़ का कार्यकाल बहुत बेहतर रहा,

उनके कार्यकाल में मध्यप्रदेश एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने छात्रहितों में सैकड़ों मुद्दों पर लड़ाई लड़ी। नीतीश गौड़ के कार्यकाल काफी सराहनीय रहा और मध्य प्रदेश एनएसयूआई के कार्यकताओं में नई जान फूंकने वाला था।

चौगुनी ऊर्जा के साथ छात्रहित में निरंतर लड़ाई लड़ेंगे

रवि परमार ने नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी महावीर गुर्जर और रितु बराला को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश एनएसयूआई के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता नवनियुक्त प्रभारीगण के नेतृत्व में चौगुनी ऊर्जा के साथ छात्रहित में निरंतर लड़ाई लड़ेंगे। नवनियुक्त प्रभारियों को छात्रसंघ चुनाव का भी अनुभव है। क्योंकि महावीर गुर्जर छात्रसंघ में राजस्थान विश्वविद्यालय में महासचिव रहे हैं, वहीं रितु बराला भी छात्रसंघ में राजस्थान के महारानी महाविद्यालय में अध्यक्ष रही हैं तो दोनों प्रभारियों के नेतृत्व में हम सबसे पहले मध्यप्रदेश में छात्र चुनाव करवाने की मांग को लेकर लड़ाई लड़ेंगे। परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश एनएसयूआई के नवनियुक्त प्रभारियों के अनुभव से मध्य प्रदेश में संगठन मजबूत होगा और छात्र हितों में संघर्षरत युवाओं का उत्साहवर्धन होगा।

सम्पादकीय

विकास के साथ पारिस्थितिकीय संतुलन जरूरी

दशकों से निरंतर बहस का विषय रहा है कि हमारी प्राथमिकता विकास हो या पर्यावरण। जिन समाजों को विकास के चलते विस्थापन झेलना पड़ता है, वे विकास को विनाश की संज्ञा देते रहे हैं। आदिवासी क्षेत्रों व पर्वतीय इलाको में बांध व अन्य बड़ी विकास परियोजनाओं के अस्तित्व में आने पर विरोध के सुर गाहे-बगाहे उभरते रहे हैं।

दशकों से निरंतर बहस का विषय रहा है कि हमारी प्राथमिकता विकास हो या पर्यावरण। जिन समाजों को विकास के चलते विस्थापन झेलना पड़ता है, वे विकास को विनाश की संज्ञा देते रहे हैं। आदिवासी क्षेत्रों व पर्वतीय इलाको में बांध व अन्य बड़ी विकास परियोजनाओं के अस्तित्व में आने पर विरोध के सुर गाहे-बगाहे उभरते रहे हैं। *ऐसे में न्यायिक फैसले सरकारों की मनमानी पर अंकुश लगाने का काम करते हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट का एक ऐसा निर्णय आया है जिसे विकास तथा पर्यावरण संरक्षण व पारिस्थितिकीय संतुलन की दृष्टि से नजीर का फैसला कहा जा रहा है। यह फैसला एक सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट और दुर्लभ प्रजाति के पक्षी सोन चिड़िया को लेकर है। दरअसल, ग्रेट इंडियन बस्टर्ड यानी सोन चिड़िया के अस्तित्व के लिये राजस्थान और गुजरात के इलाके में घातक माने जा रहे सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट की ट्रांसमिशन लाइनों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा अनुकरणीय फैसला दिया है कि जो आने वाली पढ़ियों के लिये मार्गदर्शक साबित हो सकता है। जो न्यायिक दृष्टि में भी बदलाव का पर्याय है। दरअसल, अब तक अधिकांश अदालत के फैसले पर्यावरण के पक्ष में या फिर विकास के पक्ष में जाते रहे हैं। लेकिन अदालत ने यह बताने का प्रयास किया है कि मनुष्य के लिये विकास जरूरी है तो पारिस्थितिकीय संतुलन भी जरूरी है। अदालत के फैसले के आलोक में मौजूदा ग्लोबल वार्मिंग संकट और उसके दूरगामी प्रभाव भी रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अदालत ने जलवायु परिवर्तन तथा पारिस्थितिकीय असंतुलन को देश के संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों की दृष्टि से जोड़कर देखा है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि कोर्ट ने अपना पुराना फैसला भी इस संकट को दूर करने के लिये बदला है। दरअसल, गुजरात व राजस्थान के करीब नब्बे हजार वर्ग किमी के क्षेत्र में विस्तृत ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइन प्रोजेक्ट दुर्लभ पक्षी सोन चिड़िया के अस्तित्व पर खतरा बन रहा था। जिस पर शीर्ष अदालत ने एक फैसले में रोक लगा दी थी।*

दरअसल,अदालत को तब बताया गया था कि विद्युत तारों के संपर्क में आने से इन पक्षियों की बड़ी संख्या में मृत्यु हो रही है। ये बिजली की तारें उस क्षेत्र में लगायी गई हैं जहां इन पक्षियों का आना-जाना होता है,जिनसे ये पक्षी बड़ी संख्या में टकराकर दम तोड़ देते हैं। अदालत के फैसले के चलते सौर ऊर्जा की महत्वाकांक्षी योजना पर प्रतिकूल असर पड़ रहा था। दरअसल, यह इलाका सौर ऊर्जा उत्पादन की दृष्टि से खासा उर्वरा माना जाता है। ऐसे में अदालत ने यह महत्वपूर्ण फैसला दिया कि जहां एक ओर सौर ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य भी पूरे हों, वहीं पक्षियों के अधिवास व जीवन की भी रक्षा हो सके। बीच का रास्ता निकालते हुए अदालत ने फैसला दिया कि 77 हजार वर्ग किमी क्षेत्र में बिजली की ट्रांसमिशन लाइन प्रभावी रहेंगी। वहीं दूसरी ओर तेरह हजार वर्ग किमी के क्षेत्र को इन दुर्लभ पक्षियों के अधिवास के रूप में सुरक्षित करने को कहा है। अदालत का मानना था कि सरकारें ग्लोबल वार्मिंग के संकट के चलते अपनी रीति-नीतियों में जो परिवर्तन कर रही हैं, उन्हें संविधान के मूल अधिकारों से जोड़ने की जरूरत है। ऐसा इसलिये जरूरी है कि ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से आम लोगों का जीवन गहरे तक प्रभावित हो रहा है। वहीं जीवन यापन के लिये पर्याप्त ऊर्जा की लोगों के लिये उपलब्धता सुनिश्चित करना भी सराकारों का प्राथमिक दायित्व है। यह मामला लोगों के जीवन के अधिकार से जुड़ा भी है। आने वाले सालों में देश की ऊर्जा जरूरतों में व्यापक वृद्धि का आकलन किया जा रहा है। जिसे वैकल्पिक ऊर्जा के जरिये ही पूरा किया जा सकता है। जिसमें सौर ऊर्जा की बड़ी भूमिका होगी। जो देश के पर्यावरण प्रदूषण को घटाने में भी सहायक हो सकती है। साथ ही भारत को वैश्विक संस्थाओं को जीवाश्म ईंधन का उपभोग घटाने के वायदे को भी पूरा करना है। इसके लिये जरूरी है कि हम स्वच्छ ऊर्जा के अधिक से अधिक उत्पादन को अपनी प्राथमिकता बनाएं। यह हमारे नीति-नियंताओं के लिये भी मार्गदर्शक फैसला है कि हम अपने पारिस्थितिकीय तंत्र को संरक्षित करते हुए विकास की राह पर आगे बढ़ें।

क्या कांग्रेस को अपने मेनिफेस्टो से मिल पाएंगे वोट?

कांग्रेस का घोषणापत्र राजनीतिक दृष्टिकोण से इतना सही है कि एक छोटा सा हस्तक्षेप करके असहमत होने का मतलब है कि वो एक मतदाताओं के एक वर्ग को दबाने की कोशिश कर रहा है। सब कुछ सील है, सब कुछ कवर है, सभी का ध्यान रखा गया है, सिवाय इसके कि कोई भी यह नहीं मानता कि उनके जीवन में अचानक इतना आसान सुधार दिखाई देगा।

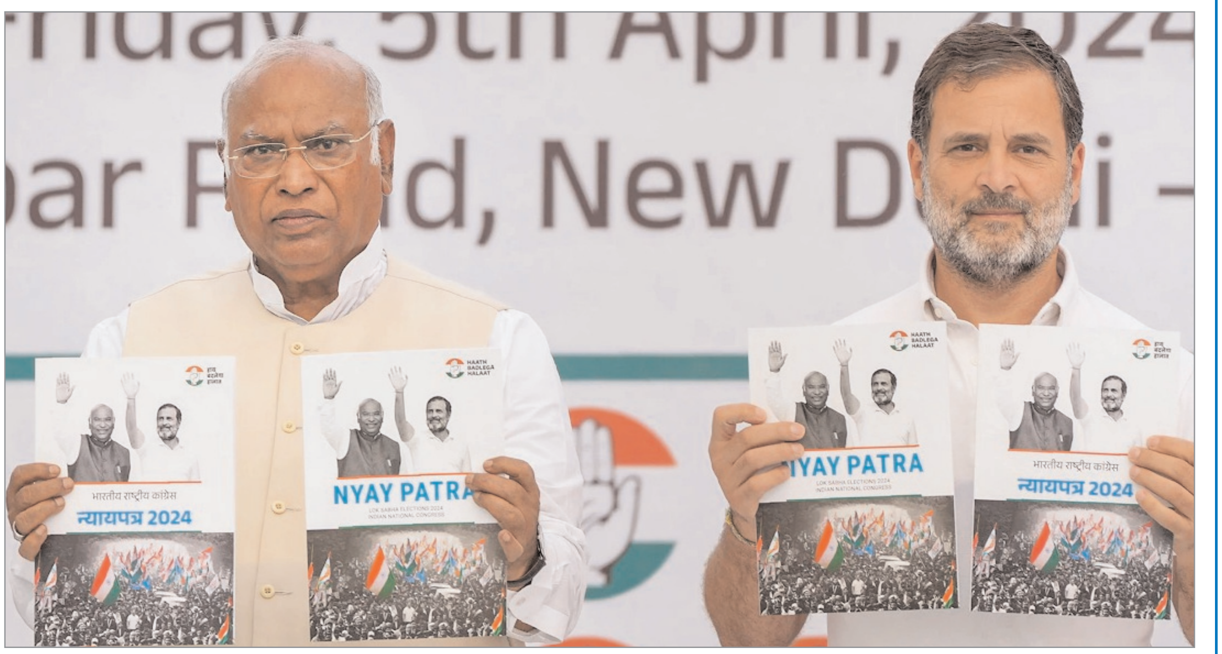

लोकसभा चुनाव में महज कुछ दिनों का वक्त बचा है। बीजेपी जहां 400 पार का बड़ा लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है, वहीं कांग्रेस सामाजिक न्याय और गारंटी वाला घोषणा पत्र लेकर मैदान में उतर रही है। बीजेपी के ध्रूवीकरण के तरीके का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस सबको खुश करने वाला घोषणापत्र लेकर आई है। कई लोगों का मानना है कि कांग्रेस आम चुनावों की प्रक्रिया से अलग है और पार्टी के अंदरखानी तरीकों से गुजर रही है। कुछ राज्यों में खराब प्रदर्शन के बाद कांग्रेस निराशा को छिपाने में भी असमर्थ हैं। अब पार्टी जनता को लुभाने वाले वादे कर रही है। कांग्रेस ने एक कल्याणकारी घोषणापत्र जारी किया है, जिससे गंभीर रूप से ध्रुवीकृत राजनीति का मुकाबला किया जा सके। लेकिन इसके बाद भी वो खुद को ये समझाने में सफल नहीं हुए कि 24 में जीत की रणनीति के लिए यह एक पर्याप्त पिच है।

हाल ही में बीजेपी के एक सीनियर नेता ने बेंगलुरु में निजी तौर पर कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 65 से ज्यादा सीटें नहीं जीत पाएगी। दोनों नेताओं के बीच हुई बहस इस बारे में नहीं थी कि इतनी कम संख्या क्यों बताई जा रही है, बल्कि यह आकलन काफी सही था या यहआंकड़े कुछ हद तक बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए थे। मुख्य सवाल यह नहीं है कि आंकड़े कितने सटीक हैं, बल्कि यह है कि कई स्तरों पर और विचारों में यह धारणा बन गई है कि कांग्रेस बीजेपी को चुनौती नहीं दे सकती। पार्टी नेता सार्वजनिक रूप से दर्जनों कारण बता सकते हैं (जो शायद सच भी हों) कि कैसे कांग्रेस को दबाया गया है। लेकिन निजी रूप से वो खुद ही अनजाने में ये कहानी फैला रहे हैं कि उनकी पार्टी का कमजोर प्रदर्शन ही चलता रहेगा।

बहुत ज्यादा कल्याणकारी वादे वाला घोषणापत्र हार का संकेत देता है। ऐसे वादे करना पार्टी के काल्पनिक अस्तित्व को स्वीकारना है। उदाहरण के लिए, नौकरियों के बारे में वो केंद्र सरकार में 30 लाख खाली पदों को भरने की बात करते हैं। उनका जोर नौकरी देने पर है, नौकरी पैदा करने पर नहीं। वित्त मंत्रालय के 2023 के आंकड़े बताते हैं कि केंद्र सरकार में कुल 39.77 लाख स्वीकृत पद हैं और इनमें से 9.64 लाख लगभग खाली पड़े हैं। ये आंकड़े कांट्रेक्ट पर दी जाने वाली नौकरियों को शामिल नहीं करते।

अब, सरकार के आकार को कम करना एक विचार था जिसे कांग्रेस ने 1991 में हमारे दिमाग और अर्थव्यवस्था में इंजेक्ट किया था। क्या यह घोषणापत्र अपनी ही क्रांति पर पछतावा कर रहा है? अगर इस घोषणापत्र के दूसरे पहलुओं को देखें, खासकर जाति के मुद्दे पर उनके नए जोर के साथ, तो ये सवाल पूछना लाजमी हो जाता है कि क्या ये सब लोगों के जीवन में सरकार को सबसे बड़ा नियंत्रक बनाने के बारे में है? अगर कांग्रेस अर्थव्यवस्था के जरिये यह करना चाहती है, तो बीजेपी सांस्कृतिक विचारों के जरिये करने की कोशिश कर रही है। यानी दोनों ही अलग अलग तरीकों से नियंत्रण चाहते हैं।

इसके अलावा राहुल गांधी ने धन का सर्वे और पुनर्वितरण का भी विचार दिया है। ये आइडिया में रॉबिन हुड रोमांस है। सोचने वाली बात यह है कि आर्थिक जानकार पी चिंदबरम, जो खुद कांग्रेस घोषणापत्र कमिटी के अध्यक्ष हैं, क्या वो इस आइडिया से सहमत हैं? यह बिल्कुल स्वाभाविक है कि जब कोई संकट आता है, तो हम चरम सीमाओं में सोचते हैं। हम जिन समाधानों की तलाश करेंगे, वे भी चरम विचारधाराओं में होंगे। अपने घोषणापत्र के माध्यम से, कांग्रेस ने स्पष्ट रूप से साबित कर दिया है कि वह संकट में है क्योंकि वह चरम सीमाओं में सोच रही है।

दक्षिण में कांग्रेस की कुछ राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही गारंटी योजनाओं पर एक श्वेत पत्र यह स्थापित करेगा कि वे खजाने को खाली कर रहे हैं, जिसके नतीजे बेहद भयावह और हैरान करने वाले हैं। पिछले कुछ दशकों में दुनिया अपनी बौद्धिक क्षमताओं के मामले में इतनी प्रगति कर चुकी है कि वह अच्छा-बुरा समझ सके। लेकिन कांग्रेस खुद पर ही इस बात को लागू नहीं कर पाई है। कांग्रेस का घोषणापत्र राजनीतिक दृष्टिकोण से इतना सही है कि एक छोटा सा हस्तक्षेप करके असहमत होने का मतलब है कि वो एक मतदाताओं के एक वर्ग को दबाने की कोशिश कर रहा है। सब कुछ सील है, सब कुछ कवर है, सभी का ध्यान रखा गया है, सिवाय इसके कि कोई भी यह नहीं मानता कि उनके जीवन में अचानक इतना आसान सुधार दिखाई देगा।

सामान्य बात यह है कि अगर हर जाति, हर समुदाय, हर आय वर्ग को लगता है कि घोषणापत्र सभी को लाभ पहुंचाने का उद्देश्य रखता है, तो वे खुद अपने आप पर संदेह करते हैं। यह इतना संतुलित है कि कोई यह भूल जाता है कि वास्तव में अन्याय कहां है। सत्ता के लिए गंभीर रूप से लड़ रही पार्टी ज्यादा यथार्थवादी होगी। जनता को कुछ भी दिखाया जाता था, क्योंकि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वे इसे खरीदने नहीं जा रहे हैं, जो वादा कर रहा है उसे कभी भी इसे पूरा नहीं करना पड़ सकता है, और वैसे भी सभी वादे 4 जून को वोटों की गिनती होने पर समाप्त हो जाएंगे।

घोषणापत्र के अलावा कांग्रेस के टिकट बांटने के तरीके पर भी गौर करने की जरूरत है। कांग्रेस का टिकट बंटवारा जीत के लिए अनुकूल हालात नहीं बनाता है। खबरों के अनुसार, पार्टी के सीनियर और दिग्गज नेता चुनाव लड़ने से हिचकिचा रहे हैं। नेताओं में उत्साह की कमी नजर आ रही है। कुछ जगहों पर (जैसे राजस्थान के बांसवाड़ा और गुजरात के अहमदाबाद पूर्व में), चुने हुए उम्मीदवारों ने या तो अपने टिकट वापस कर दिए हैं या नामांकन प्रक्रिया से दूर रहने का फैसला किया है। इस तरह लड़ाई के मैदान से भागना कांग्रेस को कमजोर बना रहा है।

पहले कभी कांग्रेस को टिकट बांटने में इस तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। एक तरफ जहां नेता कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने से परहेज कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बीजेपी ने ये नेरेटिव सेट कर दिया है कि वो अपना सबसे बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। ये धारणा बन गई है कि बीजेपी के सभी सीनियर नेताओं, कैबिनेट मंत्रियों और राज्यसभा के दिग्गजों को पार्टी के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए आदेश दिया जा रहा है और तैनात किया जा रहा है। यही सब बातें ये भरोसा दे रही हैं कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार सत्ता हासिल कर रहे हैं।

वहीं कांग्रेस के मामले में, जिस तरह से अमेठी और रायबरेली सीटों पर कांग्रेस ने उम्मीदवारों का ऐलान नहीं किया है। इसे गांधी परिवार को युद्ध से भागने के नेरेटिव में बदल दिया गया है। जब हाल ही में नेहरू-गांधी परिवार के दामाद रॉबर्ट वाड्रा ने अमेठी से चुनाव लड़ने में दिलचस्पी जताई, तो यह एक एंटी-क्लाइमेक्स साबित हुआ। तब तक मतदाताओं के मन में बहुत सारे संदेह, जिन्हें बीजेपी के प्रचार के रूप में देखा जाता था, अपने आप ही साफ हो गए। कांग्रेस के नेता मोर्चे से नेतृत्व नहीं कर रहे हैं, यह तब स्पष्ट होता है जब कोई पार्टी के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकाय को देखता है। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) में 77 सदस्य हैं। अगर कोई गिनता है कि कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण समय पर उनमें से कितने चुनाव लड़ रहे हैं, तो संख्या सात या आठ के आसपास ही रहती है।

कांग्रेस की टिकट रणनीति पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के गृह राज्य - कर्नाटक में एक और दिलचस्प वाकया प्रस्तुत करती है। वह गुलबर्गा सीट से चुनाव नहीं लड़ रहे हैं जहां वह 2019 में हार गए थे। वह अपने बेटे प्रियंक खड़गे, जो सिद्धारमैया सरकार में मंत्री हैं को भी नहीं खड़ा कर रहे हैं, बल्कि अपने दामाद राधाकृष्ण को मैदान में उतारा है, जो अब तक उनके मैनेजर या बैकरूम ऑपरेटर के रूप में जाने जाते थे।

हैरानी वाली बात यह है कि यह फॉर्मूला कुल 28 चुनावी क्षेत्रों में से 18 तक बढ़ा दिया गया है, जहां उम्मीदवार परिवारवाद को बढ़ावा देने वाले हैं। वे सीनियर नेताओं के बेटे, बेटियां, दामाद, बहू, ससुर या भाई, पति या पत्नी, भतीजी या भतीजे हैं जो पहले से ही पार्टी या कांग्रेस सरकार में सत्ता की स्थिति में हैं। इसके पीछे कांग्रेस का तर्क है कि युवा नेताओं की एक नई पीढ़ी को तैयार किया जा रहा है और पुराने लोगों को या तो नकारा जा रहा है या रिटायर किया जा रहा है। लेकिन यह फॉर्मूला कम से कम दो और पीढ़ियों के लिए अधिक नुकसान करता है क्योंकि ये वंशावली वाले युवा अगले कुछ दशकों तक कांग्रेस टिकटों पर स्थायी रूप से दावा करेंगे।

इन वंशावली टिकटों के संबंध में किया जा रहा दूसरा तर्क यह है कि नेताओं पर अपने परिवार की जीत सुनिश्चित करने का दायित्व होगा। इसका मतलब यह है कि अगर टिकट परिवार से अलग कैंडिडेट को मिलती, तो संभावना थी कि स्थापित खिलाड़ियों ने दिलचस्पी नहीं ली होगी। दूसरे शब्दों में कहें तो कांग्रेस कुछ लोगों की जागीर बन गई है। जहां अन्य लोग अपने लिए कोई भविष्य नहीं देखते हैं और इसलिए बीजेपी या अन्य क्षेत्रीय दलों की तलाश करते हैं। अगर यह नहीं बदलता है, तो कांग्रेस चाहे जो भी आर्थिक यूटोपिया बनाए, जमीनी स्तर पर कुछ खास नहीं कर पाएगी।

भस्मारती में चंद्र, त्रिपुंड और ऊँ से सजे बाबा महाकाल, महालोक में भक्तों को मिलेगी यह सुविधा

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज चैत्र शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर गुरुवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और रुद्राक्ष और पुष्पों की माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि गुरुवार की भस्मआरती में बाबा महाकाल का चंद्र, त्रिपुंड और ऊँ से श्रृंगार किया गया। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई और भोग लगाया गया। महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया, जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया। श्री महाकाल महालोक में छाया और मैटिंग की व्यवस्था श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति ने गर्मी को देखते हुए श्री महाकाल महालोक में छाया और पैर न जले इस के लिए मैटिंग की व्यवस्था की है। इससे यहां आने वाले भक्तों को गर्मी से काफी राहत मिलेगी।

शहरों में सूखते नल: संरचना में बदलाव समय की मांग; तभी रोजगार सृजन में तेजी के साथ आय और विकास को बढ़ावा मिलेगा

इंटरनेट के युग में बड़े-बड़े दावे कुछ ही घंटों में खत्म हो जाते हैं। पिछले हफ्ते केरल के उद्योग एवं विधि मंत्री पी. राजीव ने पानी की कमी से जूझ रही बंगलूरू की आईटी कंपनियों को केरल आने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि 'केरल में छोटी-बड़ी 44 नदियां हैं और यहां पानी की कोई समस्या नहीं है।' लेकिन यह जुमला ज्यादा देर तक नहीं चल सका, क्योंकि आपूर्ति और मांग के बीच के अंतर की वास्तविकता जल्द सामने आ गई। मंत्री के दावों के तीन दिनों के भीतर ही %कोच्चि में बंगलूरू जैसे दिन% की खबरें सुर्खियां बनीं और तिरुवनंतपुरम के लोगों ने नलों के सूखने की शिकायत की। देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जहां लोगों को पानी की कमी और टैंकर माफिया के अत्याचार का सामना न करना पड़ता हो। आप गूगल पर पानी की कटौती वाले शहरों और टैंकर से जलापूर्ति करने वालों का पता लगा सकते हैं। लखनऊ में भूजल स्तर गिरने के कारण 49 इलाकों में पुराने कुओं को पुनर्जीवित किया जा रहा है। वाराणसी में जल संरक्षण और जल निकायों को संरक्षित करने के लिए घर-घर %जल तीर्थ% नामक अभियान चलाया जा रहा है। विश्व जल दिवस पर अमर उजाला ने %गंगा किनारे, प्यासी काशी% शीर्षक से खबर प्रकाशित की, जिसमें गिरते भूजल स्तर के बारे में बताया गया था। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली या पर्यटन केंद्र जयपुर की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है। मुंबई के लोगों ने घोषित और अघोषित जल कटौती को सामान्य मान लिया है। स्टार्ट-अप के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरते पुणे में बीस मंजिल से ज्यादा ऊंचे टावर बन रहे हैं, जबकि मौजूदा कॉलोनियां जल संकट से जूझ रही हैं। थाणे-रायगढ़-पनवेल इलाके में गृह स्वामियों को एक घंटे की जलापूर्ति से काम चलाना होगा और टैंकर का प्रदूषित पानी लेना होगा। ऐसे में, क्या पानी की गारंटी के लिए रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम में संशोधन करने की आवश्यकता है? याद रखिए, ये शहर भारत के विकास की कहानी को ताकत प्रदान कर रहे हैं। राजनीतिक रूप से, 543 लोकसभा सीटों में से 100 सीटें शहरी प्रकृति की हैं, फिर भी जल संकट राजनीतिक चर्चा या मौजूदा चुनाव प्रचार में कोई मुद्दा नहीं है। अपनी पुस्तक एक्सीडेंटल इंडिया में मैंने बताया है कि पानी एक मौन संकट है, जिसे समाधान की प्रतीक्षा है। नीति आयोग ने 2018 की अपनी रिपोर्ट में कहा है कि %21 प्रमुख शहरों में भूजल स्तर शून्य के करीब पहुंचने वाला है, जिससे 10 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित होंगे।% मेरी दूसरी पुस्तक, द गेटेड रिपब्लिक में संकट की सीमा, सार्वजनिक विफलताओं व निजी समाधानों और सरकारी प्रावधान से हटकर भुगतान सेवाओं की ओर स्थानांतरण का वर्णन किया गया है। विडंबना यह है कि अब भुगतान करके सुविधाएं हासिल करने वाला समुदाय भी पीड़ित है। ऐसे संकट के दृश्य सभी शहरों में दिख रहे हैं। अधिकांश शहरों में सुबह-सुबह पानी के टैंकर आवासीय इलाकों में पहुंचते हैं। मुंबई में वी.एस. मार्ग पर टैंकर आपूर्तिकर्ता आरओ-उपचारित या फिल्टर किए गए पानी की पेशकश करते देखे जा सकते हैं। शहरी बस्तियों में बोतलबंद पानी कंपनियों ने इस मौके का लाभ उठाया है। सच यह है कि भारत में शहरीकरण अनियोजित ढंग से हुआ है। भारत का हर शहर ग्रामीण इलाकों में स्थित जलाशयों पर निर्भर है, जो अक्सर 50 से 100 किलोमीटर के बीच होता है। बंगलूरू मृत जलाशय और सौ किलोमीटर दूर कावेरी नदी से पानी प्राप्त करता है। चेन्नई चोलावरम और वीरन्नम झील से पानी लेता है। दिल्ली भूजल और सोनिया विहार जल उपचार संयंत्र पर निर्भर है, जो गंगा और यमुना का पानी लेता है। मुंबई 150 किलोमीटर दूर ऊपरी वैतरणा सहित सात झीलों पर निर्भर है। खराब उपलब्धता और अव्यवस्थित प्रबंधन के कारण जल संकट बना हुआ है। भारत के पास वैश्विक आबादी का लगभग 16 प्रतिशत और जल संसाधनों का चार प्रतिशत है। भारत की जनसंख्या चीन जितनी ही बड़ी है, लेकिन विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, मीठे जल की प्रति व्यक्ति उपलब्धता भारत में चीन से आधी है। भारत में सालाना 3,880 अरब घन मीटर वर्षा होती है, लेकिन यह मुश्किल से 1,999 अरब घन मीटर का ही लाभ उठा पाता है। देश में करीब 249 अरब घन मीटर भूजल का दोहन किया जाता है, मगर उसमें से 89 फीसदी का उपयोग खेती में ही होता है। साफ है कि नीति निर्माताओं को उपलब्धता और प्रबंधन की खामियों पर ध्यान देना चाहिए। अध्ययन या समाधान की कोई कमी नहीं है। खाद्य उत्पादन के उपयोग की दक्षता में सुधार लाने पर प्राथमिक रूप से जोर देना जरूरी है। 'प्रति बूंद ज्यादा फसल' की थीम से परे फिर से फसल मानचित्र तैयार करने की जरूरत है। उदाहरण के लिए, पानी की कमी वाले क्षेत्रों में धान या गन्ने की खेती को बंद करना होगा। इससे खेती में पानी के असंतुलित और अत्यधिक उपयोग से निजात मिलेगी। पानी के उपयोग को फिर से आकार देने और रीसाइक्लिंग करने की भी आवश्यकता है। दो वैश्विक उदाहरण ध्यान देने योग्य हैं। वर्ष 2019 में सिंगापुर ने 2030 तक अपने 70 फीसदी पानी को रीसाइकिल करने का लक्ष्य रखा था। यह द्वीपीय देश प्रतिदिन लगभग 90 लाख गैलन पानी की बचत का भी लक्ष्य बना रहा है। बेशक, सिंगापुर एक छोटा देश है, लेकिन पानी की रीसाइक्लिंग के इसके प्रयास शहरी भारत के लिए आदर्श हो सकते हैं। दूसरा मामला इस्राइल का है, जो पानी की कमी वाले भौगोलिक क्षेत्र में है। यहां की 70 फीसदी से ज्यादा फसलों की ड्रिप सिंचाई होती है। पानी को लवण से मुक्त करने वाले इसके संयंत्र सालाना 70 करोड़ घन मीटर पानी का उत्पादन करते हैं, जिसमें से करीब 20 करोड़ घन मीटर पानी यह जॉर्डन को निर्यात करता है। इस्राइल ने 2030 तक सालाना 1.2 अरब घन मीटर पानी को लवण मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। भारत में अभी पानी को लवण मुक्त करने वाले चार संयंत्र हैं, 7,500 किलोमीटर से अधिक लंबी तटरेखा के साथ भारत भी इस समाधान का लाभ उठा सकता है। सच है कि उपलब्धता में सुधार और प्रबंधन में बदलाव के लिए नए घटकों और संसाधनों की आवश्यकता होती है। पर यह भी उतना ही सच है कि 100 खरब डॉलर की जीडीपी की आकांक्षा को बनाए रखने के लिए इन संरचनात्मक परिवर्तनों की आवश्यकता है। और इसमें निवेश से रोजगार सृजन, आय और विकास को बढ़ावा मिलेगा।

रियल लाइफ कपल निभाएंगे रील लाइफ में पति-पत्नी की भूमिका गांधी-कस्तूरबा बन दिखाएंगे जलवा

अभिनेता प्रतीक गांधी इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी फिल्म दो और दो प्यार रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में वे विद्या बालन के साथ नजर आने वाले हैं। इसके अलावा प्रतीक आने वाले दिनों में हंसल मेहता की सीरीज गांधी में महात्मा गांधी की भूमिका निभाते दिखाई देंगे। इस सीरीज की एक और खास बात है प्रतीक गांधी में अपनी पत्नी भामिनी ओझा के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करेंगे।

सपना हुआ सच – प्रतीक गांधी और भामिनी ओझा असल जिंदगी में पति–पत्नी हैं। हंसल मेहता की सीरीज गांधी में भामिनी कस्तूरबा गांधी की भूमिका में नजर आने वाली हैं। भामिनी ने इस विषय में बात करते हुए कहा, मेरे लिए यह किसी सपने के सच होने जैसी बात है। मैं और प्रतीक एक साथ एक सीरीज में वो भी पति–पत्नी की भूमिका निभाएंगे। इससे यादा खुशी की बात और क्या हो सकती है।प्रतीक गांधी अपनी आगामी सीरीज गांधी को लेकर बेहद उत्साहित नजर आ रहे हैं। प्रतीक इस शो में महात्मा गांधी की भूमिका में दिखाई देंगे। प्रतीक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से अपनी पत्नी भामिनी की तस्वीर को साझा करते हुए लिखा है, एक कलाकार के तौर पर मैं भामिनी को थियेटर के दिनों से जानता हूं। मैं उनके सफर का साक्षी रहा हूं। अब हम एक साथ काम करने वाले हैं यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। मैं भामिनी के लिए बेहद खुश हूं। मैं इस दिन का कब से इंतजार कर रहा था जब उन्हें उनकी क्षमता वाले किरदार मिले और वे उस किरदार के साथ न्याय कर सकें। मैं उन्हें कस्तूरबा के किरदार में देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं।हंसल मेहता अप्लॉज एंटरटेनमेंट टीम के साथ मिलकर गांधी का निर्माण कर रहे हैं। हंसल कहते हैं, भामिनी एक जबरदस्त अभिनेत्री हैं। मुझे लगता है वे कस्तूरबा के चरित्र को परदे पर बेहद खूबसूरती के साथ निभा पाएंगी। वहीं अप्लॉज एंटरटेनमेंट के प्रबंध निदेशक समीर नायर कहते हैं, वास्तविक जीवन के जोड़े प्रतीक और भामिनी को मोहन और कस्तूरबा के रूप में लेने का निर्णय हमने इसलिए किया क्योंकि ये दोनों असल जिंदगी में भी पति–पत्नी हैं और यह बात सीरीज को हकीकत के और नजदीक लाएगी। आपको बताते चलें यह सीरीज मशहूर इतिहासकार और लेखक रामचंद्र गुहा की किताब गांधी बिफोर इंडिया और गांधी–द इयर्स दैट चेंड द वर्ल्ड पर आधारित होने वाली है।

ईद पर जरीन खान को मिली सबसे खास ईदी, खुशी में झूम रही हैं अभिनेत्री

बॉलीवुड अभिनेत्री जरीन खान की साल 2024 की ईद बेहद खास रही। इस साल की ईद उनके लिए इसलिए खास है क्योंकि उनकी मां की सेहत में पहले से काफी सुधार आया है। जरीन अपनी मां की सेहत को लेकर काफी चिंतित रहती हैं। अपनी मां की खराब तबीयत को लेकर जरीन ने कहा कि उनकी मां की हालत में पहले से काफी सुधार आया है। वाकई में अब उनकी मां पहले से काफी बेहतर महसूस कर रही हैं। जरीन इस बात से खुश है कि इस साल ईद के मौके पर उनकी मां की हालत में पहले से काफी सुधार देखने को मिला है। इसलिए उनकी मां इस ईद पर कई सारे व्यंजन बनाएंगी। पिछले कुछ महीनों से जरीन की मां का स्वास्थ्य काफी खराब चल रहा था, जिसे लेकर अभिनेत्री को उनकी चिंता सताती रहती है, क्योंकि उन्हें (जरीन की मां) खराब तबीयत की वजह से कई बार अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका है। अब उनके स्वास्थ्य में पहले से काफी सुधार देखकर जरीन बेहद खुश हैं।

जरीन खान को है मां की चिंता

जरीन ने कहा, पिछले कुछ सालों से मैं अपनी मां और बहनों के साथ घर पर ही ईद मना रही हूं। मेरे नाना के निधन से पहले वह भी इस त्योहार का हिस्सा हुआ करते थे, क्योंकि परिवार के कई सदस्य दोपहर के भोजन के लिए हमसे मिलने आया करते थे। अब तक यही स्थिति बनी हुई है। इसके आगे जरीन खान ने कहा, इस साल मैं, मेरी मां और बहन अपने सभी करीबी लोगों के साथ मिलकर ईद मनाएंगे।

जरीन ने अदा किया भगवान का शुक्रिया

जरीन ने अपनी मां की अच्छी सेहत के लिए अल्लाह का शुक्रिया अदा किया साथ ही उन्होंने कहा कि इस साल उनकी मां भी त्योहार मनाने के लिए बेहद उत्साहित हैं। 36 साल की अभिनेत्री जरीन खान ने आगे कहा, भगवान की कृपा से मेरी मां अब पहले से काफी बेहतर हैं। यह एक बहुत कठिन सफर रहा है। बीमारियों की वजह से उन्हें (जरीन की मां) इतने दर्द में देखना हमारे लिए बहुत दर्दनाक रहा है। उनके (जरीन अपनी मां के लिए कह रही हैं) लिए यह सब सहना बेहद कठिन था। जरीन खान को यकीन है कि अब उनकी मां की सेहत में पहले से काफी सुधार हो रहा है, और वह दिन–ब–दिन बेहतर हो रही है। वैसे अभी वह पूरी तरह से ठीक नहीं हुई हैं। लेकिन वह अब पहले से कहीं ज्यादा अच्छा महसूस कर रही हैं। अब वह इस रमजान में काफी जोश से भरी नजर आ रही हैं। वह ईद पर हमारे लिए कुछ खाने के व्यंजन भी बना रही हैं। उनकी मां का पसंदीदा काम है खाना पकाना। वह अक्सर ईद के मौके पर उनके लिए खाना पकाती हैं।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने लगाई मैदान पर रोक, बोनी कपूर की कंपनी ने बयान जारी कर कही ये बात

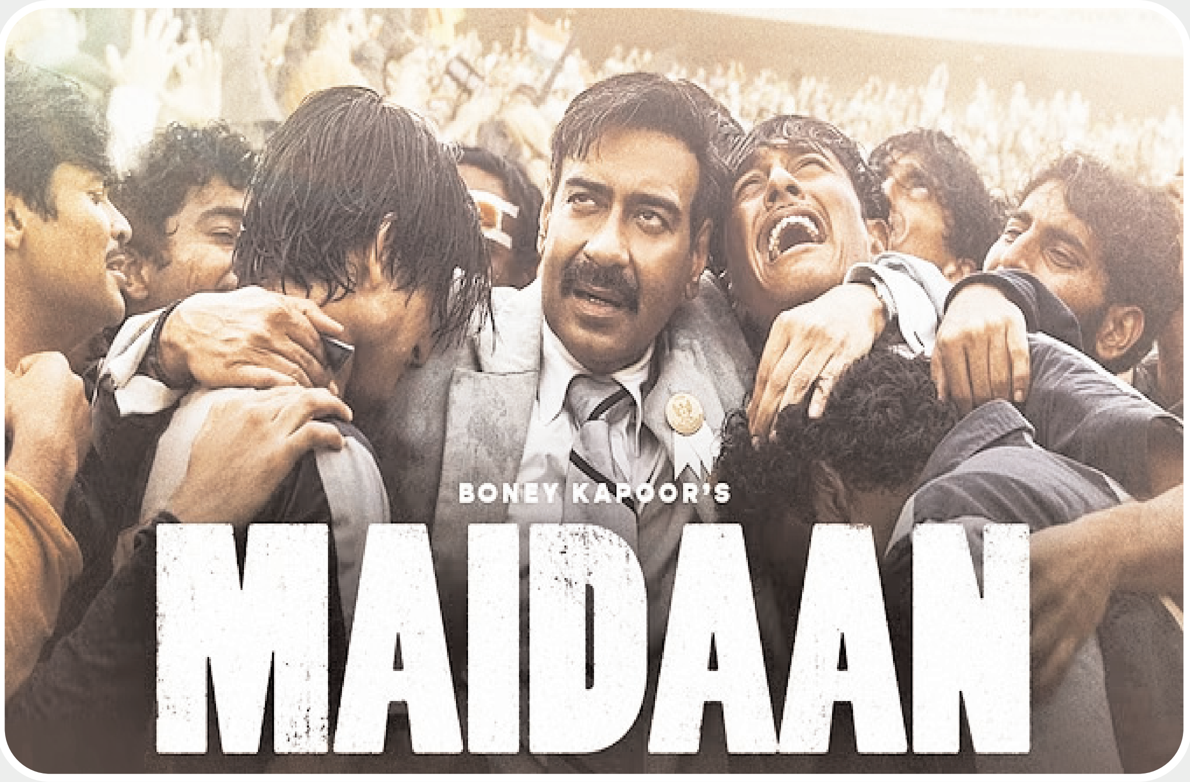

अजय देवगन की फिल्म मैदान मुश्किल में फंस गई है। इस फिल्म पर साहित्यिक चोरी के आरोप लगए हैं। यह आरोप कर्नाटक के अनिल कुमार नाम के एक स्क्रिप्टराइटर ने लगाए हैं। ऐसे में मैसूर कोर्ट ने स्किप्टराइटर के साहित्यर चोरी के दावे के आधार पर फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने के आदेश जारी किए। इस पर बोनी कपूर की प्रोडक्शन कंपनी ने प्रतिक्रिया दी है। जी स्टूडियोज और बोनी कपूर के बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी ने फिल्म की रिलीज पर रोक को लेकर आए कोर्ट के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए बाकायदा एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने चोरी के दावों और अदालत के आदेश को संबोधित करते हुए एक मीडिया स्टेटमेंट जारी किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें पूर्व सूचना नहीं दी गई और वे आदेश के खिलाफ अपील दायर कर रहे हैं।

चांदनी चौक की गलियों को देख अक्षय को याद आया बचपन

अब अपने पुराने घर को खरीदना चाहते हैं अभिनेता

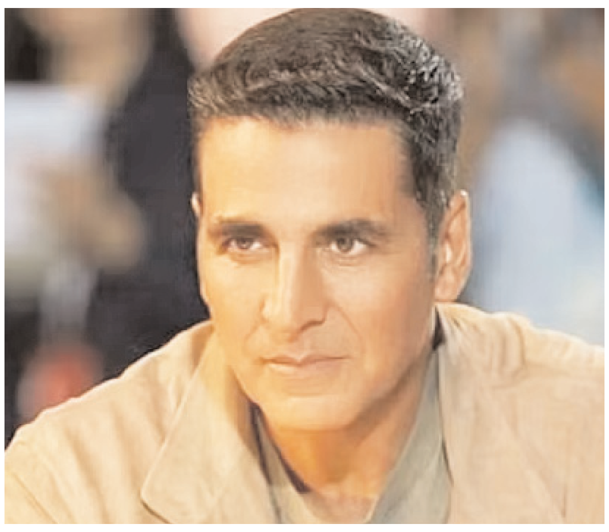

मुंबई आने से पहले अभिनेता अक्षय कुमार अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहा करते थे। उनका बचपन वहीं बीता। खिलाड़ी कुमार ने खुलासा किया की दिल्ली के चांदनी चौक में आज भी उनका घर है। हाल ही में 'बड़े मियां छोटे मियां' के अभिनेता ने फिल्म के लिए दिए गए एक साक्षात्कार में अपने पुराने दिनों को याद किया। बचपन के दिनों को याद कर अभिनेता भावुक हो गए। उन्होंने साझा किया कि कैसे वो पुरानी दिल्ली में कचौड़ी, पराठा और आम आइसक्रीम का आनंद उठाया करते थे। चांदनी चौक में अब भी है खिलाड़ी कुमार का घर एक यूट्यूब चैनल को दिए साक्षात्कार में अक्षय कुमार ने टाइगर श्रॉफ को 'कंचे वाली बोतल' के बारे में बताया। उन्होंने कहा काश मैं तुम्हें वहां ले जा पाता। अक्षय ने वहां के खाने की तारीफ करते हुए कहा कि वहां का खाना काफी मजेदार है, चांदनी चौक जैसा खाना कहीं नहीं मिलेगा। वहीं, जब टाइगर ने अक्षय से पूछा क्या वहां से कोई खाना मंगा सकता है, तो खिलाड़ी कुमार ने जवाब दिया मेरा घर अब भी वहीं है। अक्षय ने कहा कि वह घर अब भी उनके पास है, वह अक्सर वहां जाते हैं। अभिनेता ने साझा किया, इतने सालों में भी चांदनी चौक में कुछ नहीं बदला। वहां के रहने का स्टाइल हीज्और आज तक कुछ नहीं बदला। कोई नई बिल्डिंग नहीं आई, कुछ नहीं बदला, सब वैसे का वैसा ही है। कमाल की बात तो यह है कि आप वहां पर हर तरह के खुले तार देखेंगे पर आज तक भगवान की मेहर, लेकिन एक बार भी आग नहीं लगी। पता नहीं क्या है। भगवान भरोसे चलता है, राम भरोसे चलता है पूरा का पूरा।

अपने पुराने घर को खरीदना चाहते हैं अक्षय एक अन्य यूट्यूब चैनल को दिए साक्षात्कार में अभिनेता ने खुलासा किया कि अपने परिवार के साथ मुंबई आने से पहले वो जिन घरों में रहे हैं, उन्होंने उनका दौरा किया है। अभिनेता अपने परिवार के साथ सायन में रहा करते थे। वह अब भी हर महीने वहां जाते है। वह उस घर को एक दिन खरीदना चाहते हैं। अभिनेता ने कहा कि उस घर से बहुत सारी यादें जुड़ी हैं। मुझे आज भी याद है मैं और मेरी बहन खिड़की से झांककर पिता जी के आने का इंतजार करते थे।

आमिर के बेटे जुनैद खान को इस भेष में देखकर लोग हुए हैरान, वीडियो हुआ वायरल

बॉलीवुड के कई कलाकारों के बच्चे फिल्मी दुनिया में अपने पांव जमा चुके हैं। इस सिलसिले में अगला नाम सुपरस्टार आमिर खान के बेटे जुनैद खान का है। जुनैद जल्द ही बड़े पर्दे पर दिखने वाले हैं। इसी बीच उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे खूब सारा मेकअप किए हुए नजर आ रहे हैं। आमिर खान के बेटे जुनैद खान को बुधवार रात मुंबई की सड़कों पर मेकअप में देखा गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वे कई दिनों से थिएटर भी कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि जुनैद खान ने पृथ्वी थिएटर में हुए एक नाटक में शिखंडी का किरदार निभाया है। जुनैद का वायरल लुक उसी किरदार का है।आंखों में काजल और माथे पर लगाया था काला टीका वायरल वीडियो में जुनैद खान काले रंग की टी–शर्ट और शॉर्ट्स में नजर आ रहे हैं। उन्होंने माथे पर लंबा–सा टीका और आंखों में खूब सारा काजल लगाया हुआ है। वे इस लुक में थिएटर से बाहर निकले ही थे कि लोगों की भीड़ वहां जमा हो गई। पैपराजी को पोज देते हुए जुनैद ने कहा, अभी भी मेकअप में हूं भाई लोग।

यूजर बोले- ओ भाई यह क्या है जुनैद के इस लुक पर सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने पूछा, वह कौन सा किरदार निभा रहे हैं? एक अन्य यूजर ने कहा, उन्हें जाने दीजिए, वह सुर्खियों में नहीं रहना चाहते। एक और यूजर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, गांव में बच्चों को ऐसे ही काजल लगाया जाता है। एक अन्य यूजर ने लिखा, ओ भाई यह क्या है।

दुबई में किसका हाथ पकड़े दिखीं खुशी कपूर प्रशंसकों ने लिया इस अभिनेता का नाम

बॉलीवुड से अक्सर नए–नए कपल को लेकर अफवाह उड़ती रहती है। इस तरह के मामले को हवा देने के लिए केवल एक तस्वीर ही काफी होती है। अब ऐसी ही एक तस्वीर खुशी कपूर की भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। कहा जा रहा है कि इसमें खुशी कपूर ने किसी आदमी का हाथ पकड़ा हुआ था। चर्चा है कि वह वेदांग रैना के साथ थी।

खुशी कपूर और वेदांग रैना की डेटिंग की है चर्चा – बॉलीवुड के गलियारों में कई दिनों से चर्चा है कि खुशी कपूर और वेदांग रैना एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं। इस बात की अभी पुष्टि तो नहीं हो पाई, लेकिन प्रशंसक मान रहे हैं कि दोनों के बीच कुछ तो है। तस्वीर सामने आने के बाद एक बार फिर से अफवाहों का बाजार गर्म हो चला है।

प्रशंसक लगा रहे वेदांग के नाम पर मुहर – मीडिया रिपोर्ट्स में खुशी कपूर की वायरल तस्वीर दुबई एयरपोर्ट की बताई जा रही है। खुशी जिस आदमी के साथ दिख रही है, उसे लेकर प्रशंसकों का कहना है कि वह वेदांग रैना ही है। तस्वीर में खुशी कपूर को एक ग्रे रंग की हुडी और ट्रैक पैंट पहने हुए देखा जा सकता है। उनके साथ चल रहे शख्स ने सफेद रंग की टी–शर्ट और ट्रैक पैंट पहनी है।

इब्राहिम अली खान के साथ फिल्म में नजर आ सकती है खुशी खुशी कपूर फिल्म %द आर्चीज% से अपने अभिनय करियर की शुरुआत कर चुकी हैं। इस फिल्म का निर्देशन जोया अख्तर ने किया था। फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। फिल्म में शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान ने भी काम किया था। कहा जा रहा है कि खुशी कपूर जल्द ही इब्राहिम अली खान के साथ एक फिल्म में नजर आएंगी। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन शौना गौतम करेंगे।

महाराष्ट्र में शकर का उत्पादन 108 लाख टन के पार, 178 शकर मिलें हुई बंद

इंदौर। महाराष्ट्र में पेराई सीजन 2023-24 अंतिम चरण में है और राज्य में शकर उत्पादन 108 लाख टन के पार पहुंच चुका है और साथ ही राज्य में शकर उत्पादन पिछले सीजन के मुकाबले अब तक ज्यादा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस सीजन कुल मिलाकर 207 शकर मिलों ने पेराई में भाग लिया था जिसमें 103 सहकारी एवं 104 निजी शकर मिलें शामिल हैं, और 1059.18 लाख टन गन्ने की पेराई की जा चुकी है। 07 अप्रैल, 2024 तक, राज्य में 1084.73 लाख क्विंटल (108.47 लाख टन) शकर का उत्पादन किया गया है।

पिछले सीजन में इसी समय 211 शकर मिलों ने पेराई में भाग लिया था और उन्होंने 1053.91 लाख टन गन्ना पेराई कर 1052.38 लाख क्विंटल (105.23 लाख टन) शकर का उत्पादन किया था। महाराष्ट्र में वर्तमान सीजन में पिछले सीजन के मुकाबले अब तक 178 शकर मिलों ने पेराई बंद किया है जबकि पिछले सीजन में 07 अप्रैल तक 211 शकर मिलों ने पेराई बंद किया था। और साथ ही इस सीजन में शकर रिकवरी में मामूली बढ़ोतरी भी नजर आ रही है।

सीजन 2023-24 में 07 अप्रैल, 2024 तक राज्य में शकर की रिकवरी 10.24 प्रतिशत है जबकि पिछले सीजन में इस समय तक शकर रिकवरी 10.00 प्रतिशत थी। इधर, सरकार द्वारा पिछले पांच सालों में अप्रैल के लिए सबसे अधिक शकर कोटा 25 लाख टन का जारी किए जाने के बावजूद खुले बाजारों में शकर में तेजी का वातावरण बनने लगा है। शकर कोटे के बाद से शकर में करीब 100 रुपये प्रति क्विंटल से ज्यादा की तेजी आ चुकी है।

दरअसल, वैवाहिक सीजन के साथ ही गर्मी अधिक होने के कारण शीतल पेय और आइसक्रीम निर्माताओं की भरपूर खरीदी देखी जा रही है जिससे शकर की तेजी को सपोर्ट मिल रहा है। इन दिनों खुले बाजारों में शकर के दाम 3825 से लेकर 3900 रुपये प्रति क्विंटल तक बोले जा रहे है। बुधवार को चेडीचंड के उपलक्ष्य में थोक सियागंज (किराना बाजार) मार्केट बंद रहा। हालांकि पूजन सामग्री की मांग अच्छी रही। केसर के दाम में भी तेजी आ गई है।

शकर- शकर 3825-3900 गुड करेली कटोरा 3700-3800, लड्डू 3900-4000 गिलास एक किलो 4600-4800 भैली 3500-3600, रुपये प्रति क्विंटल।

नारियल- नारियल 120 भरती 2000-2100, 160 भरती 2100-2150, 200 भरती 2100-2150, 250 भरती 2100-2150 प्रति बोरी और खोपरा गोला बक्सा 120-140, कट्टे 110-111 रु. प्रति किलो और खोपरा बूरा 2375-4450, नारियल-बूरा अल्पाहार (1 किलो)2750 प्रति 15 किलो ।

फलाहारी- साबूदाना- सच्चासाबु एगमार्क (500 ग्राम) 7740, सच्चासाबु खीरदाना 7600,सच्चासाबु चीनीदाना 7830, सच्चासाबु फूलदाना 8190,साबूदाना चक्र एगमार्क 7440, शिवज्योति (1 किलो)7360,गोपाल लूज (25 किलो) 6950, कुकरीजाकी मोरधन (500 ग्राम)- 9790 प्रति क्विंटल।

रायल रतन सच्चामोती (1 किलो) 7250, रायलरतन सच्चामोती (500 ग्राम) 7310 व लूज 6750, रायलरतन सच्चामोती पोहा एक किलो 5350 व 35 किलो पैकिंग में 4700, रायलरतन मोरधन (आधा किलो) 10500 रुपये।

पूजन सामग्री - केसर 190-210 ब्रांडेड 220-223, देशी कपूर 550 से 750, ब्रांडेड कपूर 750 से 800, पूजा बादाम 110 से 125, बेस्ट 175 से 190, पूजा सुपारी 475, अरीठा 130, सिंदूर (25 किलो) 7400 रुपये।

मसाले- हल्दी निजामाबाद 180 से 210, हल्दी लालगाय 275-280 कालीमिर्च गारबल 555 से 565 एटम 575 से 580, मटरदाना 590 से 625, जीरा ऊंझा 290 से 310, मीडियम 320 से 340 बेस्ट 360-370 सौंफ मोटी 95 से 125, मीडियम 175 से 225, बेस्ट 355 से 375, बारीक 350-400 , लौंग मीडियम 850 से 900, बेस्ट 950-965 सौंठ 295 से 325 बेस्ट 375 से 400, दालचीनी 245-255, जायफल 580-650, बेस्ट 700 जावत्री 1900-1950, बड़ी इलायची 1375-1425, मीडियम 1475-1575 और बेस्ट 1625-1675, पत्थरफूल 351 से 375, बेस्ट 475, बाद्यान फूल 550 से 575, बेस्ट 750-775 शाहजीरा खर 350 से 360, ग्रीन 600-611, तेजपान 91-101, नागकेसर 750 से 775, धोली मूसली 2100 से 2250, सिंघाड़ा छोटा 90-105 बड़ा 115 हींग वनदेवी दाना 751- 3450, पाउच में 10 ग्राम 3530, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 875-925 , हरी इलायची 1850-1900 मीडियम बोल्ड 2050 से 2100 बोल्ड 2250-2350 बेस्ट ए बोल्ड 2400-2650 और सफेद तिल्ली 178-195 बेस्ट 200-220 रुपये।

सूखे मेवे- काजू डब्ल्यू 240 नंबर 760-800, काजू डब्ल्यू 320 नंबर 680 से 700, काजू डब्ल्यू 300 नंबर 670-680, काजू जेएच 590-600 टुकड़ी 530-550, बादाम 550-570 बेस्ट 640-660 आस्ट्रेलियन बादाम बेस्ट 625-750 खसखस मीडियम 650-725 बेस्ट 1125-1225 तरबूज मगज 750-760 खारक 115-135 मीडियम 145 से 175 बेस्ट 225 से 250 ए. बेस्ट 301 किशमिश कंधारी 420 से 470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140 से 150 बेस्ट 170 से 190 , चारोली 1485 से 1550, बेस्ट 1600 मुनक्का 450 से 550 बेस्ट 650 से 900, अंजीर 750 से 900 बेस्ट 1150 से 1450 मखाना 650 से 785, मीडियम 825 से 875 बेस्ट 900-925, पिस्ता 1300-1450 ईरानी 1500-1600, नमकीन पिस्ता 850-1000 अखरोट 450 से 500, बेस्ट 550 से 650, अखरोट गिरी 700 से 1050 जर्दालू 250 से 350, बेस्ट 450 से 550 गोंद नाइजीरिया 180-250, गोंद धावड़ा 400-700 रुपये।

तुवर दाल 300 रुपये उछली, प्राइवेट कारोबार में चना, मसूर भी बढ़े

इंदौर। चेटीचंड पर बुधवार को छावनी अनाज मंडी में अवकाश रहा लेकिन मंडी के बाहर हुई छुटपुट आवक के कारण कुछ जिंसों में प्राइवेट में कारोबार हुए। त्योहारी की वजह से मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों से काबुली चने की आवक काफी घट गई है जबकि डिमांड लगातार बढ़ रही है।वैवाहिक सीजन के चलते काबुली चने में घरेलू मांग के साथ निर्यातकों की खरीदी भी अच्छी है जिससे बुधवार को प्राइवेट कारोबार में काबुली चने की कीमतों में तेजी रही। कंटेनर में काबुली चना 100-200 रुपये प्रति क्विंटल तक ऊंचा बोला गया। पिछले साल की तेजी के चलते नीचे वाले भाव में चौतरफा स्टाकिस्ट लेवाली में आ गए हैं, जिससे टेंपरेरी बाजार और बढ़ सकते हैं।

हालांकि कई स्टाकिस्ट बढ़े भाव में माल भी बेचते रहते है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में काबुली चने के नीचे भाव चल रहे हैं, जिससे आगे चलकर निर्यात की संभावना कम है। नया मैक्सिको बाजार में 105-106 रुपये प्रति किलो के बीच बिक रहे हैं। दूसरी ओर वैवाहिक सीजन की वजह से चना एवं इसकी दाल की बिक्री धीरे-धीरे जोर पकड़ रही है। जबकि चने की आवक मंडियों में त्योहारी की वजह से बेहद कम है।

मिलर्स की चने में लेवाली अच्छी रहने से भाव तेजी बनी हुई है। बुधवार का चना कांटा प्राइवेट कारोबार में 100 रुपये बढ़कर 6000-6025 विशाल 5900-5925 एवरेज 5700-5850 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। चना दाल भी 100 रुपये बढ़ गई। मसूर में भी लोकल के साथ ही बाहरी मांग जोरदार रहने से भाव में तेजी रही। मसूर प्राइवेट में 6050 रुपये प्रति क्विंटल तक बिक गई।

तुवर की आवक मांग की तुलना में बेहद कमजोर बनी हुई है जिससे तुवर के दामों में तेजी का रुख जारी रहा। बुधवार को प्राइवेट कारोबार में तुवर 100-200 रुपये प्रति क्विंटल और उछल गई। तुवर दाल में भी उपभोक्ता मांग का दबाव अच्छा बना हुआ है जिससे तुवर दाल के दाम में 300 रुपये का उछाल देखा गया। कंटेनर में डॉलर चना बढ़कर 40/42 12000, 42/44 11800, 44/46 11500, 58/60 9600, 60/62 9500, 62/64 9400 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।

दलहन- प्राइवेट कारोबार के दाम चना कांटा 6000-6025 विशाल 5900-5925 एवरेज 5700-5850 मसूर 6050 तुवर महाराष्ट्र सफेद 11600-11800 कर्नाटक 11700-11900 निमाड़ी तुवर 10000-11300 मूंग 9000-9200 बारिश का मूंग नया 9200-10000 एवरेज 7000-8000 उड़द बेस्ट 8800-9200 मीडियम 7000-8000 हलका उड़द 3000-5000 गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2460 मालवराज गेहूं 2200-2400 लोकवन 2650-2800 पूर्णा 2650-2960 रुपये क्विंटल।

दालों के दाम- चना दाल 7800-7900 मीडियम 8000-8100 बेस्ट 8200-8300 मसूर दाल 7250-7350 बेस्ट 7450-7550 मूंग दाल 10550-10650 बेस्ट 10750-10850 मूंग मोगर 11450-11550 बेस्ट 11650-11750 तुवर दाल 14200-14300 मीडियम 15000-15200 बेस्ट 16000-16100 ए. बेस्ट 17000- 17100 उड़द दाल 11200-11300 बेस्ट 11400-11500 उड़द मोगर 11600-11700 बेस्ट 11800-11900 रु. प्रति क्विंटल।।

इंदौर चावल भाव- दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-12500, तिबार 10000-11000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9500, मिनी दुबार 7500-8500, मोगरा 4500-7000, बासमती सेला 7000-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5000, परमल 3200-3400, हंसा सेला 3400-3600, हंसा सफेद 2800-3000, पोहा 4300-4700 रु. क्विंटल।

खेल

पेरिस ओलंपिक ट्रैक एंड फील्ड स्वर्ण विजेताओं को मिलेंगे 50 हजार डॉलर

भारत को भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से स्वर्ण पदक की उम्मीद

मोनाको। पेरिस ओलंपिक में ट्रैक एवं फील्ड के 48 स्पधाओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) ने पहली बार 50,000 डॉलर (41.60 लाख रुपये) की पुरस्कार राशि देने की बुधवार को घोषणा की। विश्व एथलेटिक्स के इस कदम से 2028 में लॉस एंजिलिस (एलए) में होने वाले खेलों में तीनों पदक विजेताओं को पुरस्कार देने का मार्ग प्रशस्त होगा।

भारत को पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से स्वर्ण पदक की उम्मीद है। नीरज ने तोक्यो ओलंपिक में देश के लिए एथलेटिक्स का पहला स्वर्ण पदक जीता था। वह इसके साथ ही व्यक्तिगत स्पर्धा में निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के बाद स्वर्ण पदक जीतने वाले देश के दूसरे खिलाड़ी बने थे। इस ऐतिहासिक निर्णय के साथ डब्ल्यूए ओलंपिक खेलों में पुरस्कार राशि देने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय महासंघ बन जाएगा। विश्व एथलेटिक्स ने एक बयान में कहा, ह्यविश्व एथलेटिक्स ओलंपिक खेलों में पुरस्कार राशि देने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय महासंघ बन जाएगा। डब्ल्यूए पेरिस में इस ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में सफलता के शिखर को प्राप्त वाले एथलीटों को आर्थिक रूप से पुरस्कृत करेगा। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा कि ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि की शुरूआत अंतरराष्ट्रीय निकाय और समग्र रूप से एथलेटिक्स के खेल के लिए एक ह्यमहत्वपूर्ण क्षणह्ल है। उन्होंने कहा, ह्यअंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के राजस्व आवंटन से कुल 2.4 मिलियन डॉलर (लगभग 18.63 अरब रुपये) को पुरस्कार के लिए दिया गया है, जो हर चार साल में विश्व एथलेटिक्स को मिलता है। इसका उपयोग 48 एथलेटिक्स खेलों में से प्रत्येक में स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीटों को 50,000 डॉलर की राशि से पुरस्कृत करने के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा, ह्यविश्व एथलेटिक्स की इस पहल में एलए 2028 ओलंपिक खेलों में रजत और कांस्य पदक विजेताओं तक विस्तार किये जाने की प्रतिबद्धता शामिल है। रिले टीमों को भी इसी राशि से सम्मानित किया जाएगा, जिसे टीम के सभी खिलाड़ी आपस में साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक से जुड़ी पुरस्कार राशि के प्रारूप और संरचना की घोषणा खेलों के समय के करीब की जाएगी। इस पुरस्कार राशि का भुगतान हालांकि विश्व एथलेटिक्स की संपुष्टि प्रक्रिया पर निर्भर करेगा, जिसमें सामान्य डोपिंग रोधी प्रक्रियाओं से गुजरने और अन्य जरूरी प्रक्रिया का पालन करने वाले एथलीट शामिल होंगे। को ने कहा कि यह कदम एथलीटों को सशक्त बनाने और किसी भी ओलंपिक खेलों की सफलता में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानने के लिए डब्ल्यूए की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने कहा, ह्यमुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि हम कहीं से शुरूआत करें और सुनिश्चित करें कि ओलंपिक खेलों में हमारे एथलीटों द्वारा उत्पन्न राजस्व का कुछ हिस्सा सीधे उन लोगों को लौटाया जाए जो खेलों को वैश्विक स्तर का बनाते हैं।

फेडरर को पीछे छोड़ जोकोविच दुनिया के सबसे उम्रदराज नंबर-एक बने

रिकॉर्ड 420वें सप्ताह नंबर एक बने नोवाक, युगल में बोपन्ना के नाम है कीर्तिमान

मोंटे कार्लो (फ्रांस)। नोवाक जोकोविच ने एक और असाधारण उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने रोजर फेडरर को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे उम्रदराज विश्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल कर लिया है। 36 वर्षीय जोकोविच अगले माह 37 वर्ष के होने वाले हैं और उन्होंने जून, 2018 में सबसे ज्यादा उम्र में नंबर एक बनने वाले फेडरर को पीछे छोड़ दिया है। यही नहीं मोंटे कार्लो में इस वक्त दो खिलाड़ियों को सबसे ज्यादा चर्चा है और ये जोकोविच, रोहन बोपन्ना हैं। टेनिस के पुरुष एकल और युगल में वर्तमान में नंबर एक पदवी सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों के नाम पर है। जोकोविच एकल में तो 44 वर्षीय बोपन्ना युगल में नंबर एक हैं। इस सोमवार को जोकोविच नंबर एक की पदवी पर 420वें सप्ताह में पहुंच गए। यह भी एक रिकॉर्ड है, जिसे वह पहले तोड़ चुके हैं। फेडरर 310 सप्ताह तक नंबर एक रहे थे। जोकोविच ओपन दौर में सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी हैं। फेडरर ने पीट सेंप्रास के 14 ग्रैंड स्लैम का रिकॉर्ड तोड़ा था। राफेल नडाल ने फेडरर के 20 ग्रैंड स्लैम का रिकॉर्ड तोड़ा और जोकोविच ने नडाल के 22 ग्रैंड स्लैम के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा है। जोकोविच मोंटे कार्लो में अपने नियमित कोच रहे गोरान इवानिसेविच के बिना पहली बार टेनिस कोर्ट पर उतरेंगे। महिलाओं में पोलैंड की इगा स्वियातेक नंबर एक की पदवी पर बरकरार हैं।

एटीपी पर वीडियो पोस्ट में बोपन्ना ने कहा कि अनुभव काफी मायने रखता है, लेकिन जोकोविच का मानना है कि सफलता का सबसे बड़ा मंत्र समर्पण है। बोपन्ना ने कहा कि अनुभव जीतता है और यह यहीं से उन्हें मिला है। जोकोविच ने कहा कि अनुभव के साथ समर्पण और निष्ठा भी मायने रखती है। उन्होंने बोपन्ना को घंटों जिम में फीजियो के साथ समय बिताते हुए देखा है। इतने वर्षों तक एटीपी टूर को आपके साथ साझा करना शानदार है। जोकोविच कहते हैं कि एकल और युगल दोनो में सबसे उम्रदराज विश्व नंबर एक होना अद्भुत है। यह सर्बिया और भारतीय टेनिस दोनों के लिए अच्छा है। जोकोविच कहते हैं कि वह आशा करते हैं कि जल्द ही हम दोनों भारत में कुछ करेंगे। हम वहां खेलेंगे। वह लंबे समय से भारत नहीं गए हैं। यह काफी बड़ा और शानदार देश है। टेनिस की भारत में अपार लोकप्रियता है और बोपन्ना इसमें सानिया, भूपति, पेस के साथ लगातार योगदान देते रहे हैं। जोकोविच कहते हैं कि हम ओल्ड हैं लेकिन गोल्ड हैं। उन्होंने नमस्ते के साथ बातचीत को खत्म किया।

मैच के दौरान रोनाल्डो ने खोया आपा, विरोधी खिलाड़ी को मारी कोहनी, रेफरी को दिखाया पंच

नई दिल्ली। दुनिया के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बड़ी मुसीबत में फंसते नजर आ रहे हैं। रोनाल्डो सऊदी सुपर कप के मुकाबले में अल हिलाल के खिलाफ अपनी टीम अल नासर की हार के दौरान अपना आपा खो बैठे। उन्होंने ना सिर्फ विरोधी टीम के खिलाड़ी को कोहनी मारी, बल्कि मैच रेफरी को पंच मारने की कोशिश भी की। उनकी इस हरकत के कारण उन पर प्रतिबंध भी लग सकता है। **रोनाल्डो को मिला रेड कार्ड** रोनाल्डो की टीम अल नासर की स्थिति अल हिलाल के खिलाफ अच्छी नहीं थी। टीम को इस मुकाबले में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। अल नासर के लिए सादियो माने ने एकमात्र गोल किया। रोनाल्डो इससे काफी निराश थे और मैच के दौरान उन्होंने गुस्से में विरोधी खिलाड़ी को कोहनी मार दी। उनकी इस हरकत के लिए मैच रेफरी ने तुरंत रोनाल्डो को रेड कार्ड दिखाया। यह पहली बार था जब रोनाल्डो को सऊदी अरब में रेड कार्ड मिला। रोनाल्डो खुद को रेड कार्ड मिलने से नाराज हुए और उन्हें मैच रेफरी को पंच मारने की कोशिश, लेकिन हाथ पीछे खींच लिया। मैच के अंतिम क्षणों में जब अल नासर की टीम बराबरी करने की कोशिश में लगी हुई थी, लेकिन टीम को इसमें सफलता नहीं मिल पा रही थी। मैच के 86वें मिनट में रोनाल्डो ने अल हिलाल के डिफेंडर अली अल बुलाही को कोहनी मार दी जिससे विवाद बढ़ गया। रोनाल्डो की इस हरकत पर अल हिलाल के खिलाड़ियों ने रेफरी से कार्रवाई करने की अपील की। 39 साल का यह दिग्गज खिलाड़ी रेफरी का मजाक उड़ाते भी नजर आया। माना जा रहा है कि इसके लिए रोनाल्डो पर कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। सऊदी प्रो लीग में रोनाल्डो ने किए हैं सर्वाधिक गोल रीयल मैड्रिड और मैनचेस्टर युनाइटेड के लिए खेल चुके रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

कैंडिडेट्स शतरंज- विश्वनाथन आनंद भी दोनों के प्रदर्शन से हुए प्रभावित

टोरंटो। भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद का मानना है कि कैंडिडेट्स शतरंज टूनार्मेंट के पहले विश्राम दिवस तक भारतीय खिलाड़ी डी गुकेश और आर प्रगनानंदा ने शुरूआती तूफान का सामना आश्चर्यजनक रूप से बेहतर ढंग से किया है। टूनार्मेंट से पहले भारतीय खिलाड़ी दावेदार नहीं माने जा रहे थे, लेकिन गुकेश (2.5) और प्रगनानंदा (2) ने अब तक टूनार्मेंट में अपनी पकड़ बनाए रखी है। हालांकि, नाकामुरा को हराकर दावेदार बने विदित गुजराती (1.5) के बारे में ऐसा नहीं है। वह लगातार दो हार के बाद पिछड़ गए हैं। पिछले दो बार के कैंडिडेट्स विजेता फिडे के झंडे तले खेल रहे रूस के नेपोमिनयाच्ची चार दौर के बाद तीन अंक लेकर बढ़त पर हैं। अभी 10 दौर और बाकी हैं। नेपोमनियाच्ची अगर तीसरी बार जीतते हैं तो लगातार तीन खिताब जीतने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी होंगे। प्रगनानंदा के साथ टूनार्मेंट में उनकी मां नागलक्ष्मी भी आई हुई हैं। प्रगनानंदा कहते हैं कि आपके साथ कमरे में किसी का होना महत्वपूर्ण है। यह उस वक्त और महत्वपूर्ण हो जाता है जब आप हारते हैं। मैं उनके सहयोग के लिए उनका आभारी हूं। हंपी दौड़ से बाहर नहीं देश के दूसरे ग्रैंड मास्टर दिब्येंदु बरुआ ने कहा- मैं कोनेरू हंपी को चौथे दौर में हार के बावजूद दौड़ से बाहर नहीं मानता हूं। उनके पास जीतने की काबलियत और इच्छाशक्ति दोनों हैं। विदित भी वापसी करने में सक्षम हैं और गुकेश स्कोर कर सकते हैं।

कटनी में कोतवाली थाना प्रभारी की सतर्कता व सूझबूझ से नही जल सका केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला का पुतला

विवादित बयान से क्षत्रिय समाज अक्रोशित किया जोरदार प्रदर्शन

सुनील यादव सिटी चीफ
कटनी, केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला द्वारा विगत दिनों दिए गए एक विवादित बयान ने पूरे देश के क्षत्रिय समाज को आंदोलित कर दिया है। विवादित बयान से नाराज जिले के क्षत्रिय समाज ने मिशन चौक में रोड जाम कर जोरदार नारेबाजी करते हुए केंद्रीय मंत्री रूपाला के बैनर को पैरों तले रौंदा। केंद्रीय मंत्री के पुतले जब आंदोलनकारी ने आग लगाने की कोशिश की इसी दौरान कोतवाली पुलिस व प्रभारी आशीष शर्मा की सतर्कता व सूझबूझ से पुतला नही जलाया जा सका। आंदोलन की खबर लगते ही कोतवाली थाना प्रभारी अग्निशामक दल व पुलिस बल सहित मिशीन चौक पहुँच गए। इसी दौरान विरोध प्रदर्शन करते हुए क्षत्रिय समाज के लोगों ने गृहमंत्री के नाम नायब तहसीलदार शिव भूषण सिंह को ज्ञापन सौंपा है। उल्लेखनीय हैं विगत 23 मार्च को केंद्रीय मंत्री व

राजकोट के भाजपा सांसद प्रत्याशी पुरुषोत्तम रुपाला का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वे दलित समाज के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह कहते दिखाई पड़ रहे थे कि हमारे देश पर अंग्रेजों ने भी राज किया और अन्य लोगों ने भी। क्षत्रिय महाराजाओं ने विदेशी आक्रांताओं के सामने झुक कर उनसे रोटी और बेटी का रिश्ता कायम किया। पुरुषोत्तम रुपाला के इस बयान ने सभी क्षत्रिय समाज को आंदोलित कर दिया है। इसी बात से नाराज होकर जिले के क्षत्रिय समाज ने विरोध प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए रूपाला को भाजपा से निष्कासित करने की मांग की है। साथ ही यह भी चेतावनी दी है कि यदि उन्हें भाजपा से निष्कासित नहीं किया जाता तो क्षत्रिय समाज बीजेपी के विरोध में मतदान करेगा।

कटनी जीआरपी पुलिस को मिली सफलता

ट्रैन आउटर्स में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी गिरफ्तार

सुनील यादव सिटी चीफ
कटनी, रेलवे आउटर्स में चलती ट्रेन में वारदात को अंजाम देने वाले शातिर चोर को जीआरपी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जीआरपी से मिली जानकारी के अनुसार कटंगी निवासी आयुष उर्फ मंकी उर्फ निक्की राजपूत को सागर पुलिया के पास संदिग्ध अवस्था मे पकड़ा जो पुलिस को देख भागने का प्रयास कर रहा था आरोपी को घेराबंदी कर पूछताछ की गई जिसमें उसने उत्कल एक्सप्रेस सहित एक अन्य ट्रैन में वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी के पास से 3 नग सोने

की अंगूठी सहित चांदी के जेबर और 1 आधा तोला की चेन बरामद की गई। नकद रुपये आरोपी द्वारा खर्च करना बताया है। पुलिस अन्य मामलों में भी पूछताछ कर रही है।

बीजेपी प्रत्याशी वी डी शर्मा पहुंचे कटनी

सिंधी समाज का साथ मनाया झूले लाल जयंती

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले में पहुंचे खजुराहो के बीजेपी प्रत्याशी वी डी शर्मा और वह सीधे जागृति पार्क जा पहुंचे जहा सिंधी समाज झूले लाल जयंती मना रहे थे वी डी शर्मा सभी सिंधी सामाज के लोगो से मुलाकात की और आयो लाल झूले लाल के धुन पर सिंधी समाज के लोगो के साथ थिरकते नजर आए।

मीडिया कर्मियों से बात करते हुए वी डी शर्मा ने कहा की वह आज कटनी जिले के मुड़वारा विधानसभा में पहुंच आपने कार्यकर्ता और सिंधी समाज के लोगो से मुलाकात करने पहुंचे, वी शर्मा ने सभी सिंधी समाज के लोगो को झूलेलाल जयंती की शुभकामनाएं दी, वही जागृति पार्क में कटनी जिले के वरिष्ठ नेता ब्रह्मा जसूजा के साथ 200

कांग्रेसियों ने भाजपा की सदस्यता भी ली। वी डी शर्मा ने मीडिया कर्मियों से चर्चा के दौरान यह भी बताया की कल यानी 11 अप्रेल को भारत के गृह मंत्री अमित शाह की जो विशाल आम सभा विजयराघवगढ़ विधानसभा के बरही नगर में होने वाली है उसकी जानकारी भी दी वही वी डी शर्मा ने यह भी कहा की देश के प्रधानमंत्री जो सपना है अबकी बार 400 पार के इस सपने को इस बार भाजपा के सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ भाजपा का एक एक कार्यकर्ता इस सपने को पूरा करने में जुटा है और इस बार स्वर्ण कमल पूरे भारत देश में खिलेगा।

कल मप्र के कटनी पहुचेंगे अमित शाह विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे

सुनील यादव। सिटी चीफ
कटनी, भारतीय जनता पार्टी वरिष्ठ नेता तथा राजनीति के चाणक्य कुशल रणनीतिकार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का कल कटनी जिले की विजयराघवगढ़ विधानसभा के बरही में आगमन हो रहा है। दोपहर 12=30 बजे अमित शाह विजयनाथ धाम ग्राउंड में भाजपा सांसद प्रत्याशी भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा के पक्ष में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे।

विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने बताया कि हमारा सौभाग्य है कि देश के यशस्वी गृह मंत्री का बरही की पावन धरा पर आगमन हो रहा है। अमित शाह के देश के लिए लिए गए फैसलों ने देश की तकदीर और तश्वीर बदल दी है। ऐसे कुशल नेतृत्व के विचारों को सुनने कटनी जिले के साथ साथ समीपवर्ती सतना तथा शहडोल लोकसभा क्षेत्र की जनता जनार्दन भी उत्सुक है। कल एक लाख लोगों के सभा में शामिल होने का अनुमान है अमित शाह के हेलीपेड से सभा स्थल तक पुष्प वर्षा करते हुए भव्य स्वागत के लिए विशेष तैयारियां की गईं हैं।

अप्रैल में लगी सावन की झड़ी, एक घंटे तक हुई झमाझम बारिश

एक साथ सक्रिय हुए तीन से चार सिस्टम, बिजली भी गिरी

भगवान दास बेरागी । सिटी चीफ शाजापुर, जिस समय सूरज की तपन से पसीने छूटना चाहिए ऐसे में शहर में तेज बारिश हुई जिससे मौसम में ठंडक घुलने से लोगों को राहत तो मिली, लेकिन आफत की बारिश ने पूरे शहर को परेशान कर दिया। तेज बारिश होने से कई जगह फॉल्ट होने से पूरे शहर में ब्लैक आउट के हालात बने। तो कई जगह बिजली गिरने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

शहर में पिछले तीन चार दिनों से बारिश की संभावना बन रही थी, लेकिन आसमान पर छा रहे बादल बिन बरसे गुजर रहे थे। शहर में बुधवार को भी यही हालात थे, लेकिन दोपहर बाद मौसम ने करवट बदली और आसमान पर काले बादल छा गए। कुछ देर बाद गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई जो देखते ही देखते तेज बारिश में बदल गई। जो एक घंटे से भी अधिक समय तक जारी रही। जिससे सड़कों से पानी बह निकला। मोसम विभाग की माने तो आगामी कुछ दिनों तक मौसम के यही हाल बने रहेंगे और आगामी दिनों में भी बारिश की संभावना बनी हुई है।

गरज-चमक के साथ बरसे बादल, कई जगह गिरी बिजली- दोपहर करीब 3 बजे मौसम बदला और आसमान पर बिजली की चमक व गड़गड़ाहट से बारिश शुरू हो गई। कुछ स्थानों पर बिजली गिरने की भी खबर है। बताया जाता है कि दुपाड़ा मार्ग पर बिजली गिरने से फॉल्ट हुआ था जिससे पूरे शहर में बिजली गुल हो गई थी। इधर बिजली कंपनी के कर्मचारियों को भी फॉल्ट ढूंढने में काफी समय लग गया जिससे शहरवासियों को काफी समय तक बिन बिजली के समय गुजारना पड़ा। समाचार

लिखे जाने तक कई जगह पर बिजली गुल थी।

तीन से चार सिस्टम हुए सक्रिय, हुई बारिश- मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस पहले ही सक्रिय था। उसके अलावा बुधवार को एक साथ तीन से चार सिस्टम सक्रिय होने से शहर में तेज बारिश हुई। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में भी इसी तरह की बारिश की संभावना है। उन्होंने बताया कि बारिश होने से बुधवार को शहर का अधिकतम तापमान भी 35 व न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान करीब 10 एमएम वर्षा दर्ज की गई।

सिंधी समाज ने मनाई झूलेलाल जयंती

कलेक्टर भी हुई शामिल, समाजजनों को दिलाई मतदान की शपथ

भगवान दास बेरागी। सिटी चीफ शाजापुर। सिंधी समाज द्वारा बुधवार को भगवान झूलेलाल जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस दिन नगर के वजीरपुरा स्थित गुरुद्वारे में सुबह से ही समाजजनों की भीड़ रही और दिनभर धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला जारी रहा।

आयोजन की शुरूआत गुरूद्वारे से प्रभातफेरी निकालकर की गई। वाहनों पर सवार होकर बड़ी संख्या में समाजजन वाटर वर्क्स पहुंचे और वहां पूजा अर्चना की। कलेक्टर ऋजु बाफना की पहल पर समाजजनों ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए मतदान में भाग लेने की शपथ ली। समाज के डॉ सुनील आडवाणी ने बताया कि सिंधी समाज के आराध्य भगवान

झूलेलाल की जयंती पर सुबह से ही धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सुबह गुरूद्वारे पर कीर्तन हुआ। दोपहर को समाजजनों के लिए गुरूद्वारा परिसर में महाप्रसादी भंडारे का आयोजन किया गया। शाम को शहरवासियों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया है। उसके बाद रात्रि में फिर समाजजनों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया।

मां उमिया ज्ञानपीठ के विद्यार्थियों ने ग्राम संपर्क कर मतदाताओं को जागरूक किया

शाजापुर में चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान

भगवान दास बेरागी । सिटी चीफ शाजापुर, लोकसभा निर्वाचन 2024 में शत प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को लेकर मतदाताओं को जागरूक करने विभिन्न गतिविधियां चलाई जा रही हैं। इस तारतम्य में बुधवार को कलेक्टर ऋजु बाफना के निर्देशानुसार जिले के अशासकीय विद्यालय मां उमिया ज्ञानपीठ उमावि के शिक्षक एवं छात्र-छात्राओ द्वारा ग्रामीण क्षेत्र मे पहुंच कर ग्राम सम्पर्क कर मतदाताओ को मतदान की उपयोगिता, अनिवार्यता, अधिकार एवं दायित्वों की जानकारी दी गई। दरअसल कलेक्टर द्वारा जिले की अशासकीय शालाओ के संचालकों के साथ स्वीप मीटिंग कर स्कूल के छात्र-छात्राओ को नुक्कड़ नाटक, ग्राम सम्पर्क के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक कर मतदान के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गये थे।

भाजपा ने बढ़ाई कांग्रेस-सीपीएम की टेंशन, सीपीएम फिल्म को बता रही है संघ का एजेंडा

'द केरल स्टोरी' के समर्थन में खुलकर उतरा चर्च

नई दिल्ली। केरल के चर्चों ने फिल्म द केरल स्टोरी को दिखाए जाने का दायरा बढ़ा दिया है। केरल कैथोलिक यूथ मूवमेंट (डउट) ने अपनी सभी यूनिट में इस फिल्म को दिखाए जाने की घोषणा की है। केसीवाईएम का कहना है कि इस फिल्म को दिखाने के पीछे उसका कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है। लेकिन सत्ताधारी एलडीएफ और विपक्षी यूडीएफ को ये दलील हजम नहीं हो पा रही है। केरल बीजेपी चर्च के इस फैसले से काफी उत्साहित है। उसने लव जिहाद जैसे मुद्दों को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाया हुआ है। यही वजह है कि कांग्रेस की अगुवाई वाला यूडीएफ और सीपीएम की अगुवाई वाला एलडीएफ चर्चों में चुनावों के दौरान यह फिल्म दिखाए जाने से काफी परेशान हैं।

चर्च के फैसले से भाजपा उत्साहित भाजपा की खुशी की वजह ये है कि वह ईसाई समुदाय को जोड़ने के लिए जो एक मुद्दे उठाती रही है, उसमें से एक प्रमुख मसले को कुछ चर्चों ने स्वीकार कर लिया है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने यह कहकर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की आलोचना की है कि यह जानते हुए कि फिल्म सही घटनाओं पर आधारित है, सीएम सच्चाई दबाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री विजयन का दावा है कि फिल्म में आरएसएस का एजेंडा परोसा गया है। उन्होंने कहा, यह नहीं समझना चाहिए कि संघ परिवार सिर्फ मुसलमानों को टारगेट कर रहा है। उनकी नजर सभी अल्पसंख्यकों और समुदायों पर है। एक समूह को दूसरे समूह के खिलाफ भड़काना लक्ष्य है। इस रणनीति के चक्कर में किसी को नहीं फंसना चाहिए।

बीजेपी ने ऐसे बढ़ाई दोनों पार्टियों की परेशानी

केरल में लोकसभा की सभी 20 सीटों के लिए दूसरे चरण यानी 26 अप्रैल को चुनाव होना है। यहां मुख्य मुकाबला लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के बीच है। लेकिन, बीजेपी ने कई छोटे दलों को जोड़कर एनडीए का कुनबा तैयार किया है और पहली बार यहां चुनाव जीतने की उम्मीद से मैदान में है। भाजपा केरल में बहुसंख्यक हिंदू मतदाताओं के साथ-साथ 18त्न से अधिक ईसाई वोटरों को टारगेट कर रही है। ऐसे में अगर चर्चों की ओर से उसके एजेंडे को बढ़ावा मिल रहा है, तो उसके हौसले बुलंद होने स्वाभाविक हैं और कांग्रेस-सीपीएम की यही परेशानी की वजह भी बन गई है। क्योंकि, उन्हें लग रहा है कि कहीं ईसाई वोट बैंक उनके हाथ से निकल न जाए।

कांग्रेस और सीपीएम शुरू से कर रही है फिल्म का विरोध

यह फिल्म केरल की महिलाओं को लालच देकर इस्लाम अपनाने और आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट में शामिल करने की कहानी पर आधारित है। कांग्रेस और वामपंथी पार्टियां शुरू से ही इसका विरोध कर रही हैं और दावा करती हैं कि इसमें केरल और मुसलमानों की छवि खराब करने की कोशिश हुई है।

इडुक्की बिशप-क्षेत्र के चर्चों में पहले दिखाई गई फिल्म

इससे पहले केरल के इडुक्की बिशप-क्षेत्र ने स्कूली बच्चों को गर्मी की छुट्टियों में विशेष ट्रेनिंग कोर्स के दौरान प्यार टॉपिक पर जागरूकता के लिए द केरल स्टोरी फिल्म दिखाई थी। छात्रों से फिल्म देखने के बाद उसपर समीक्षा लिखने को भी कहा गया था। केसीवाईएम ने छिपे हुए एजेंडे के समर्थकों को पहचानने के लिए छात्रों को जागरूक बनाने के लिए यह फिल्म दिखाए जाने के उसके फैसले का समर्थन किया है और अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले चर्चों में भी इसकी स्क्रीनिंग की तैयारी की है। हालांकि, फिलहाल केरल के सभी चर्च संगठन इस फैसले से सहमत नहीं हुए हैं।

तमिलनाडु में विरोधियों पर फिर बरसे पीएम मोदी

डीएमके और कांग्रेस जैसी फैमिली पार्टियों का एक ही एजेंडा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में भाजपा तीसरी बार जीत की हैट्रिक लगाने के लिए जोरों शोरों से प्रचार में जुटी हुई है। इस बार 400 पार के नारे के साथ बीजेपी के दिग्गज नेता सभाओं और रैलियों को संबोधित कर रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को तमिलनाडु पहुंचे, जहां उन्होंने कोयंबटूर के मेट्टुपालयम में एक जनसभा को संबोधित किया। रैली में मौजूद लोगों को देखते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज मैं देख रहा हूं, पूरे तमिलनाडु में भाजपा ही छाई हुई है। हर कोई कह रहा है डीएमके की विदाई भाजपा और एनडीए के द्वारा ही होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को एक बार फिर द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) पर निशाना साधा और तमिलनाडु में सत्तारूढ़ पार्टी पर भारत में निवेश खत्म करने की इच्छा रखने वालों का समर्थन करने का आरोप लगाया। डीएमके को घेरते हुए पीएम मोदी ने कहा कि द्रमुक उन लोगों के साथ खड़ी है, जो देश में निवेश खत्म करना चाहते हैं। ये लोग अपनी राजनीति से तमिलनाडु को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। रैली में पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी सरकार तमिलनाडु के इस इलाके में डिफेंस कॉरिडोर बना रही है? इसी के साथ लोगों से सवाल पूछचे हुए कहा कि क्या कठऊक गठबंधन की मानसिकता से कभी डिफेंस कॉरिडोर बनाया जाएगा?

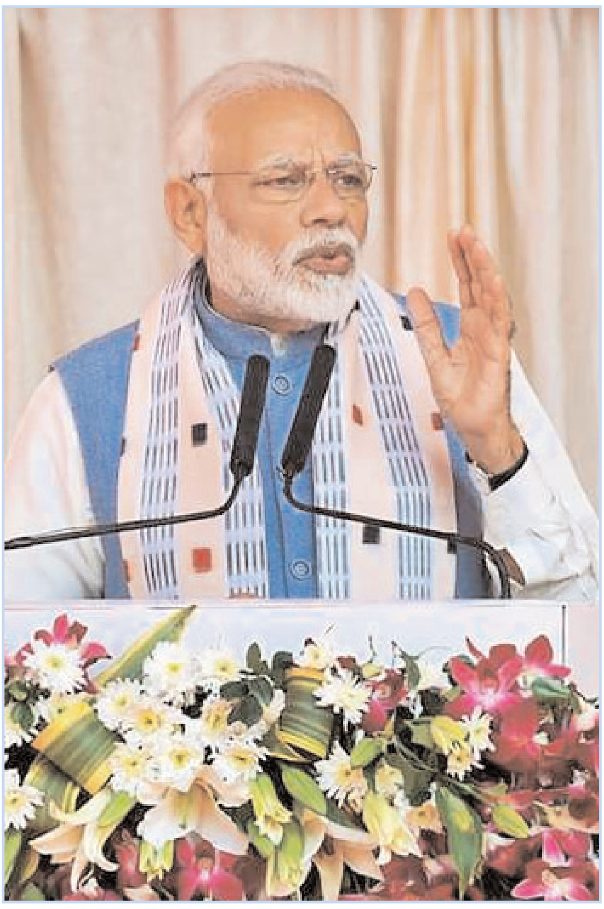

ये लोग राम मंदिर का विरोध करते हैं

पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, अयोध्या में राम मंदिर का भव्य निर्माण होता है, ये लोग उसका भी विरोध करते हैं। मैं तमिलनाडु में भगवान राम से जुड़े स्थानों पर आता हूं, इन्हें उससे भी तकलीफ होती है। ये लोग तो सनातन धर्म को समाप्त करने की धमकी दे रहे हैं। नए संसद भवन में तमिलनाडु की संस्कृति से जुड़े पवित्र सेंगोल की स्थापना होती है, डीएमके उसका बहिष्कार करती है।

भ्रष्टाचारियों को बचाने में सबसे आगे डीएमके

पीएम मोदी वहीं भ्रष्टाचार पर घेरते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और द्रमुक भ्रष्टाचारियों को बचाने में सबसे आगे खड़े हैं। द्रमुक ने हमेशा नफरत और विभाजन की राजनीति पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कभी भी तमिलनाडु के विकास की परवाह नहीं की। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हमारे तीसरे कार्यकाल में भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए नीलगिरी और कोंगु के विकास के लिए कड़ी मेहनत करेगा। ये है मोदी की गारंटी अपना हमला जारी रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस-डीएमके गठबंधन पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों के लोगों को बुनियादी सुविधाओं से दूर रखने का आरोप लगाया।

दशकों तक गरीबी हटाओ का नारा, लेकिन...

इसी के साथ पीएम मोदी ने कहा कि डीएमके और कांग्रेस जैसी फैमिली पार्टियों का एक ही एजेंडा रहता है, किसी भी तरह झूठ बोलकर सरकार में बने रहो। कांग्रेस ने इतने दशकों तक गरीबी हटाओ का नारा दिया लेकिन गरीबी नहीं हटी। ये एनडीए सरकार है जिसने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है।

अमेरिकी सांसद ने की पीएम मोदी की सराहना

भारत का चेहरा बन गए हैं प्रधानमंत्री मोदी

वॉशिंगटन। देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता बनी हुई है। अब अमेरिका के एक वरिष्ठ सांसद ने भारत के पीएम की बढ़ाई की है। उन्होंने विकास कार्यों और 2014 से देश की आर्थिक प्रगति के लिए पीएम मोदी की सराहना करते हुए कहा कि वह भारत का चेहरा बन गए हैं।

अमेरिकी सदन में भारत के सबसे अच्छे दोस्तों में से एक माने जाने वाले ब्रैड शेरमैन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में भारत और अमेरिका ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत होते देखा है। हालांकि, रूस के साथ भारत के रक्षा संबंध भारत-अमेरिका संबंधों में एक चुनौती है। उन्होंने कहा, वह (मोदी) भारत का चेहरा बन गए हैं। हम आर्थिक विकास होते देखा है। बेशक, हर देश की अपनी चुनौतियां होती हैं, हर नेता की अपनी चुनौतियां होती हैं। मैं किसी देश की सफलता का श्रेय सिर्फ एक नेता को नहीं देता। मेरा मतलब है कि आपके पास 1.3 अरब से अधिक लोग हैं और वे सभी भारत को और अधिक सफल देश बनाने के लिए साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

28 सालों से शेरमैन कर रहे काम

69 वर्षीय ब्रैड शेरमैन हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी में वरिष्ठ डेमोक्रेट हैं। वह पिछले 28 वर्षों से भारत-अमेरिका संबंधों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका-भारत संबंध काफी मजबूत हुए हैं। मैं यह जानता हूं क्योंकि मैं यहां यूएस इंडिया कॉकस का पूर्व अध्यक्ष रहा हूं। हमने इसे सभी द्विदलीय कॉकस में सबसे बड़ा बनाया। हमने बहुत कुछ देखा है, विशेष रूप से रक्षा क्षेत्र में सैन्य खुफिया जानकारी साझा करने और सबसे बड़े संयुक्त अभियान और अभ्यास में। वहीं हिंद-प्रशांत को स्वतंत्र और शांतिपूर्ण रखने पर काम किया है। उन्होंने आगे कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच व्यापार आसमान छू रहा है। बेशक, भारतीय-अमेरिकी सबसे शिक्षित हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका में सभी जातीय समूहों की तुलना में उनकी आय सबसे अधिक है। सांसद ने कहा कि वह दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों का विस्तार होते देखना चाहेंगे।

रूस के साथ भारत का संबंध होना हमारे लिए चुनौती

इसके साथ ही सांसद ने कहा कि रूस के साथ भारत के रक्षा संबंध बने हुए हैं और अमेरिका-भारत संबंध में यह एक चुनौती है। उन्होंने कहा, रूस के साथ हमारे संबंध बहुत अच्छे नहीं हैं। हम सभी यूक्रेन में युद्ध के सफल समाधान की आशा करते हैं और मुझे लगता है कि इससे निश्चित रूप से दुनिया को बहुत मदद मिलेगी। मुझे लगता है कि भारत में, जब मैं निवेशकों से बात करता हूं, तो अभी भी कुछ लालफीताशाही से निपटना बाकी है और मैं इसमें सुधार की उम्मीद करता हूं।

केरल के मलप्पुरम में धार्मिक एकता की मिसाल, 2015 में शुरू हुआ था मंदिर का काम

मंदिर निर्माण के लिए साथ आए हिंदू-मुस्लिम समुदाय के लोग

मलप्पुरम। जहां एक तरफ द केरल स्टोरी फिल्म के प्रसारण को लेकर बीते दिनों केरल सरकार और केंद्र के बीच जुबानी जंग देखने को मिली थी। इस बीच, केरल के मलप्पुरम में हिंदू मंदिर और मुस्लिमों के साथ उसके संबंध की एक वास्तविक केरल कहानी देखने को मिली है। खास बात है इसमें धार्मिक एकता की मिसाल देखने को मिली है।

दरअसल, केरल के मलप्पुरम स्थित प्राचीन हिंदू मंदिर, जो वर्षों से अपनी नई मूर्ति की प्रतिष्ठान का इंतजार कर रहा, को मुस्लिम समुदाय के लोगों का साथ मिला है। केरल में मौजूद इस मंदिर को नवीकरण के लिए मुस्लिम समुदाय ने योगदान दिया है। यह मुस्लिम बहुल मलप्पुरम जिले के एक साधारण गांव की सांप्रदायिक सद्भाव की वास्तविक केरल कहानी है।

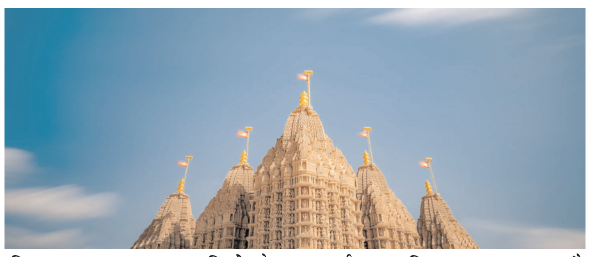

श्री दुर्गा भगवती मंदिर में स्थापित होगी नई मूर्ति केरल के कोंडोट्टी में मुथुवल्लुर में 400 साल पुरानी श्री दुर्गा भगवती मंदिर के नवीनीकरण के लिए हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हाथ मिलाया। जो सोशल मीडिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। मंदिर से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि नवीकरण के लिए अबतक खर्च की गई धनराशि का लगभग आधा हिस्सा मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा दिया गया था। नवीकरण का पहला चरण लगभग पूरा हो चुका है। देवी दुर्गा की 173 सेमी ऊंची मूर्ति की प्रतिष्ठा सात मई से शुरू होने वाले तीन दिवसीय समारोह में की जाएगी।

आम आदमी पार्टी को झटका, लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री राज कुमार आनंद ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री राज कुमार आनंद ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आप पर भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी का जन्म भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए हुआ था, लेकिन आज पार्टी खुद भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। मैं इस सरकार में काम नहीं कर सकता और मैं नहीं चाहता कि मेरा नाम इस भ्रष्टाचार से जुड़े।

राजकुमार आनंद के इस्तीफे के बाद आम आदमी पार्टी के लिए मुश्किल खड़ी हो गई है। दिल्ली शराब घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में बंद हैं। इसके बाद मंत्री राजकुमार ने पार्टी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर इस्तीफा दे दिया है। राज कुमार आनंद ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने एक बार रामलीला मैदान, जंतर-मंतर पर कहा था कि राजनीति बदलेगी तो देश बदल जाएगा। आज राजनीति तो नहीं बदली लेकिन राजनेता बदल गए। बता दें कि राज कुमार आनंद के आवास पर नवंबर 2023 में प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छापा मारा था। अपने इस्तीफे से कुछ घंटे पहले राज कुमार आनंद ने आप सांसद संजय सिंह की प्रेस कॉन्फ्रेंस को सोशल मीडिया पर शेयर किया था।

राज कुमार आनंद ने कहा कि मैं बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर के कारण राजनीति में आया और फिर मंत्री बना। मैं समाज को कुछ लौटाना चाहता था। मैं ऐसी पार्टी में नहीं रहना चाहता जो दलित प्रतिनिधित्व के मामले में पीछे हट जाए। बता दें कि राज कुमार आनंद आप की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य थे और 2011 से केजरीवाल के आंदोलन के साथ हैं। राजकुमार आनंद ने पटेल नगर में 2020 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569